website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 15 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 26 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पीएम मोदी का नमन

-उनके योगदान को बताया अविस्मरणीय

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सादर नमन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने अटलजी के जीवन, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय राजनीति का ऐसा आदर्श बताया, जिनका व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अटल बिहारी वाजपेयी देशवासियों के हृदय में बसते हैं। वे न केवल एक प्रखर वक्ता थे, बल्कि एक ओजस्वी कवि के रूप में भी हमेशा याद किए जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि अटलजी ने राजनीति को मर्यादा, शालीनता और वैचारिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाने का कार्य किया और राष्ट्रहित को हमेशा सर्वोपरि रखा। प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े अपने पुराने भाषणों का एक वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में पीएम मोदी कहते नजर आए कि अटलजी की वाणी केवल भारतीय जनता पार्टी की आवाज नहीं थी, बल्कि एक समय ऐसा भी था जब उनकी वाणी पूरे देश की सामान्य मानवीय आशाओं और आकांक्षाओं की वाणी बन चुकी थी। उन्होंने कहा कि जब अटलजी बोलते थे, तो ऐसा लगता था जैसे पूरा देश बोल रहा हो। वे अपनी निजी भावनाओं को नहीं, बल्कि देश के जन-जन की भावनाओं को शब्द देते थे। पीएम मोदी ने अपने संदेश में यह भी कहा कि देश अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को कभी नहीं भूल सकता। उनके नेतृत्व में भारत ने परमाणु शक्ति के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और विश्व मंच पर देश का सिर ऊंचा किया। पार्टी नेता, सांसद, मंत्री या प्रधानमंत्री— अटलजी ने हर भूमिका में एक आदर्श स्थापित किया, जिससे आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा लेती रहेंगी। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म-जयंती उनके जीवन से सीख लेने का विशेष अवसर है। उनका आचरण, शालीनता, वैचारिक मजबूती और राष्ट्र के प्रति समर्पण भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि श्रेष्ठता पद से नहीं, बल्कि आचरण से स्थापित होती है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक सुभाषित भी साझा किया—
'यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥'

पीएम मोदी ने कहा कि यह सुभाषित अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और व्यक्तित्व के उस पहलू को रेखांकित करता है, जिसमें उनके आचरण ने समाज और राजनीति दोनों को दिशा दी।

अमेरिकी रिपोर्ट से नाराज़ चीन, भारत को बताया 'क्लोज पार्टनर', कहा– 'तीसरे देश को निशाना नहीं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन रिश्तों को लेकर अमेरिका के रक्षा विभाग यानी पेंटागन की ताज़ा रिपोर्ट पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव में कमी का फायदा उठाकर भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है और साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों को और मज़बूत होने से रोकने की कोशिश कर रहा है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार (25 दिसंबर) को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन अपनी राष्ट्रीय रक्षा नीति को लेकर पेंटागन की टिप्पणियों का विरोध करता है। उन्होंने साफ किया कि चीन भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या चीन विवादित सीमा क्षेत्रों में भारत के साथ तनाव कम होने का इस्तेमाल अमेरिका-भारत रिश्तों को रोकने के लिए करेगा, तो उन्होंने कहा कि चीन भारत के साथ संबंधों के विकास पर ज़ोर देता है, न कि किसी तीसरे देश को लक्ष्य बनाने पर।

चीनी विदेश मंत्रालय ने किया पलटवार

चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, चीन भारत के साथ संवाद को मजबूत

करने, आपसी भरोसा बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए तैयार है। यह बयान पेंटागन की रिपोर्ट 'मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलपमेंट्स इन्वॉल्विंग द पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' के संदर्भ में आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी पर तनाव कम होने के बाद चीन भारत के साथ रिश्तों को स्थिर करने की कोशिश कर रहा है, ताकि भारत-अमेरिका के रणनीतिक गठजोड़ को और गहरा होने से रोका जा सके।

पेंटागन की रिपोर्ट में अरुणाचल प्रदेश को चीन के कोर इंटरेस्ट— ताइवान और दक्षिण चीन सागर—के बराबर अहम बताया गया है। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ चीन के बढ़ते सैन्य सहयोग का भी जिक्र किया गया है।

कैसे हैं अभी भारत-चीन संबंध

भारत और चीन के बीच सीमा तनाव में हाल के महीनों में कुछ कमी देखने को मिली है। अक्टूबर 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद सीमा प्रबंधन को लेकर उच्चस्तरीय बातचीत शुरू हुई। दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स, वीज़ा सुविधाएं और कैलाश मानसरोवर यात्रा जैसे कदम भी उठाए गए हैं।

वीर बाल दिवस कार्यक्रम में बोले अमित शाह- साहिबजादों का बलिदान युगों तक देता रहेगा प्रेरणा

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बुधवार को हरियाणा दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम में शिरकत की और गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान को नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

देश के युवाओं को गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके साहिबजादों के जीवन एवं बलिदान के बारे में अवश्य जानना चाहिए

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब शहादत की चर्चा होती है, तो मन दुख, पीड़ा और शोक से भर जाता है, क्योंकि जिन बच्चों ने जीवन को ठीक से देखा भी नहीं था, वे शहीद हो गए। लेकिन इसके साथ ही गर्व भी होता है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने धर्म और देश की रक्षा के लिए अपने चारों साहिबजादों को न्योछावर कर दिया। इसी कारण गुरु गोबिंद सिंह जी को 'सरवंश दानी' कहा जाता है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके साहिबजादों के जीवन एवं बलिदान के

बारे में अवश्य जानना चाहिए।

मुगल शासन का पतन भी गुरुओं के जीवनकाल में ही हुआ

इतिहास का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि मुगलों का आक्रमण बाबर के समय शुरू हुआ था, जिसका गुरु नानक देव जी ने विरोध किया। यह संघर्ष गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक निरंतर चलता रहा। उन्होंने कहा कि औरंगजेब के अंतिम काल में दशम गुरु का समय था और मुगल शासन का पतन भी गुरुओं के जीवनकाल में ही हुआ। अमित शाह ने बताया कि गुरु नानक देव जी काबा और तमिलनाडु तक गए और समाज से अंधविश्वास दूर करने का संदेश दिया।

हरियाणा और पंजाब पूरे देश को अन्न उपलब्ध कराने में सक्षम

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा में आयोजित सहकारिता सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक समय भारत को अमेरिका से गेहूं आयात करना पड़ता था, लेकिन आज हरियाणा और पंजाब पूरे देश को अन्न उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आने वाले एक-दो महीनों में 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू की जाएगी, जिससे होने वाला पूरा लाभ सीधे लोगों तक पहुंचेगा।

बिना पर्ची-खर्ची के योग्य युवाओं को रोजगार उपलब्ध

इसके बाद अमित शाह ने पुलिस परेड कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि यह पहली ऐसी बैच है, जिसमें 85% युवा ग्रेजुएट और डबल ग्रेजुएट हैं तथा जिनकी औसत आयु 26 वर्ष है। उन्होंने कहा कि यह पहली बैच है, जो नए कानूनों के तहत अपनी सेवाएं देगी। अमित शाह ने कहा कि पहले पर्ची-खर्ची के आधार पर नौकरियां मिलती थीं, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिना पर्ची-खर्ची के योग्य युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है।

एस जयशंकर ने श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूर्या से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मंगलवार को कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हाल ही में आए दितवाह तूफान के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जयशंकर ने कहा कि भारत संकट की घड़ी में हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा।

दितवाह के बाद पुनर्निर्माण में भारत की प्रतिबद्धता

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कोलंबो में प्रधानमंत्री अमरसूर्या से मिलकर उन्हें खुशी हुई और दितवाह तूफान के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत के पक्के वादे को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा दिया गया पुनर्निर्माण पैकेज दोनों देशों के बीच गहरे और भरोसेमंद संबंधों को दर्शाता है।

पीएम मोदी का संदेश और 450 मिलियन डॉलर का पैकेज

एक संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग में जयशंकर ने बताया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका पहुंचे हैं और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के लिए उनका संदेश लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का पत्र भारत की 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' भूमिका को आगे बढ़ाता है और इसमें श्रीलंका को 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुनर्निर्माण पैकेज देने का वादा किया गया है।

बसपा के लिए 2026 होगा सबसे बुरा साल? 41 साल बाद पहली बार खाली हाथ रह जाएंगी मायावती!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कभी उत्तर प्रदेश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक ताकत मानी जाती थी, लेकिन अब पार्टी अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि साल 2026 में बसपा पहली बार देश की संसद से पूरी तरह बाहर हो सकती है। लोकसभा में पहले ही बसपा का कोई प्रतिनिधि नहीं है और अब राज्यसभा में मौजूद इकलौते सांसद रामजी गौतम का कार्यकाल भी समाप्ति की ओर है। नवंबर 2026 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के दस सांसद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी के आठ, समाजवादी पार्टी के एक और बहुजन समाज पार्टी के एक सांसद शामिल हैं। बीजेपी से बृजलाल, सीमा द्विवेदी, दिनेश शर्मा, नीरज शेखर, चंद्रप्रभा, हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह और बीएल वर्मा का कार्यकाल खत्म होगा। वहीं सपा के राम गोपाल यादव और बसपा के रामजी गौतम भी इसी सूची में हैं। गौरतलब है कि बसपा की स्थापना कांशीराम ने 16 अप्रैल 1984 को की थी। शुरुआती वर्षों के बाद ही पार्टी ने संसद से लेकर विधानसभाओं तक अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई थी। लेकिन अब यह पहली बार होगा जब लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच संसद में बसपा की आवाज पूरी तरह खामोश हो जाएगी।

संसद में खत्म हो जाएगी बसपा की आवाज

वर्तमान में राज्यसभा में बसपा के केवल एक सांसद रामजी गौतम हैं, जो 2019 में बीजेपी के समर्थन से निर्वाचित हुए थे। छह साल का उनका कार्यकाल नवंबर 2026 में पूरा हो जाएगा। इसके बाद लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी बसपा का प्रतिनिधित्व शून्य हो जाएगा। इस तरह करीब 36 साल बाद ऐसा होगा जब संसद के दोनों सदनों में बसपा का एक भी सांसद मौजूद नहीं रहेगा। राज्यसभा चुनाव के मौजूदा गणित को देखें तो आने वाले चुनाव में बसपा का सीट जीतना लगभग असंभव नजर आता है। पार्टी के पास फिलहाल सिर्फ एक विधायक है, जबकि एक राज्यसभा सीट के लिए कम से कम 37 विधायकों का समर्थन जरूरी होता है।

सबसे बुरे दौर से गुजर रही बसपा

साल 1984 में गठन के बाद बसपा ने लगातार विस्तार किया और देश की सबसे बड़ी दलित राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी। पार्टी केवल एक क्षेत्रीय ताकत बनकर नहीं रुकी, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उसका प्रभाव काफी मजबूत रहा। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने 6.17 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 21 सीटें जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था। 2014 में नरेंद्र मोदी लहर के बीच बसपा को एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली, हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट जरूर मिले। 2019 में सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा गया, जिसमें बसपा ने दस सीटें जीतीं, लेकिन कुछ समय बाद ही यह गठबंधन टूट गया। 2024 तक आते-आते बसपा का राजनीतिक ग्राफ लगातार गिरता चला गया। पार्टी का वोट शेयर घटकर 2.07 प्रतिशत रह गया और एक भी लोकसभा सीट हाथ नहीं लगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी हालात बेहद कमजोर हैं। 2022 में बसपा का सिर्फ एक विधायक ही जीत सका। इसके अलावा पिछले साल विधानपरिषद में भी पार्टी शून्य हो गई, क्योंकि बसपा के इकलौते एमएलसी भीमराव अंबेडकर का कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में बड़ी टूट की तैयारी?

-नितिन नबीन से मिले RLM के ये 3 विधायक

नई दिल्ली। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में सामने आई कुछ तस्वीरों ने सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है और पार्टी में टूट की अटकलों को हवा दे दी है। दरअसल, बुधवार (24 दिसंबर 2025) की रात पटना में उपेंद्र कुशवाहा की ओर से आयोजित लिट्टी-चोखा भोज में पार्टी के तीन विधायक शामिल नहीं हुए। इसी दौरान ये तीनों विधायक बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी नितिन नबीन से मिलने पहुंचे, जिसके बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

नितिन नबीन से कौन-कौन विधायक मिला?

नितिन नबीन से मुलाकात करने वालों में विधायक माधव आनंद, आलोक सिंह और रामेश्वर महतो शामिल हैं। इस मुलाकात की तस्वीर खुद रामेश्वर महतो ने बुधवार को अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से शेयर की है। सामने आई तस्वीर में नितिन नबीन के दाहिनी ओर रामेश्वर महतो नजर आ रहे हैं, जबकि बाईं ओर माधव आनंद और पीछे आलोक सिंह दिखाई दे रहे हैं। लिट्टी-चोखा भोज में इन तीनों विधायकों का शामिल न होना पार्टी के भीतर असहज हालात की ओर इशारा कर रहा है। रामेश्वर महतो ने तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा,

"आज भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष माननीय नितिन नबीन से उनके पदभार ग्रहण के उपरांत औपचारिक एवं शिष्टाचार भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मधुबनी विधानसभा के माननीय विधायक माधव आनंद, दिनारा विधानसभा से माननीय विधायक आलोक सिंह भी उपस्थित रहे। हम सभी ने उनके नए दायित्व के सफल एवं प्रभावी निर्वहन हेतु शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।"

क्या पार्टी से नाराज चल रहे ये तीनों विधायक?

सूत्रों के मुताबिक, उपेंद्र कुशवाहा द्वारा अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बनाए जाने के बाद से ही पार्टी के भीतर नाराजगी की खबरें सामने आ रही हैं। दीपक प्रकाश न तो एमएलसी हैं और न ही उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा है, जबकि पार्टी के विधायकों की इच्छा थी कि उनमें से किसी एक को मंत्री बनाया जाए। इसी मुद्दे को लेकर विधायकों में असंतोष की बात कही जा रही है। अब सवाल यह है कि नितिन नबीन से हुई यह मुलाकात सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट थी या फिर आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिलेगा।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर प्रतिक्रिया

-बोले—'कई सालों से भारत की अच्छी दोस्त रही हैं'

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर कहा है कि भारत ने उन्हें वापस भेजने के लिए मजबूर नहीं किया है और ऐसा करके भारत ने मानवीय मूल्यों का सम्मान किया है। थरूर ने जोर देकर कहा कि शेख हसीना लंबे समय से भारत की अच्छी दोस्त रही हैं और जब तक सभी कानूनी पहलुओं की ठीक से जांच नहीं हो जाती, तब तक उन्हें सुरक्षा दी जानी चाहिए।

क्या बोले कांग्रेस सांसद?

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में शशि थरूर ने कहा,

"जहां तक शेख हसीना का सवाल है, भारत ने सही मानवीय भावना दिखाते हुए किसी ऐसे व्यक्ति को वापस जाने के लिए मजबूर नहीं किया है, जो कई सालों से भारत की अच्छी दोस्त रही हैं।" उन्होंने प्रत्यर्पण के मुद्दे पर कहा कि यह एक बेहद जटिल प्रक्रिया है, जिसमें कानूनी प्रावधान, अंतरराष्ट्रीय संधियां और कई तरह के अपवाद शामिल होते हैं। थरूर के मुताबिक, इन पहलुओं को बहुत कम लोग पूरी तरह समझते हैं। उन्होंने आगे कहा - "मैं यह फैसला सरकार पर छोड़ता हूं कि वह सभी तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय ले। लेकिन इस बीच, जब हम एक अच्छे दोस्त के प्रति मेहमाननवाजी दिखा रहे हैं, तो मेरा मानना है कि हमें उन्हें तब तक सुरक्षित रहने देना चाहिए, जब तक सरकार इन सभी पहलुओं का विस्तार से अध्ययन नहीं कर लेती।"

हादी की मौत के बाद बढ़ा राजनीतिक तनाव

शशि थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ढाका में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात और ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं। इस घटना के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में भी खटास देखने को मिल रही है। हादी की मौत पिछले साल जुलाई में हुई हिंसा के दौरान हुई थी। इसके बाद से बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मौजूदा हालात में बांग्लादेश की राजनीति में भारत विरोधी स्वर भी उभरकर सामने आ रहे हैं, जिससे दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ता दिख रहा है।

बांग्लादेश: 17 साल बाद स्वदेश लौट रहे तारिक रहमान, ढाका वापसी को माना जा रहा राजनीति का निर्णायक पल

नई दिल्ली। बांग्लादेश की राजनीति के 'डार्क प्रिंस' कहे जाने वाले तारिक रहमान 17 साल बाद अपने वतन लौट रहे हैं। गुरुवार को उनकी ढाका वापसी को बांग्लादेश की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक तारिक रहमान अपनी पत्नी जुबैदा रहमान और बेटी जाइमा रहमान के साथ लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की फ्लाइट से रवाना हुए। वे सुबह 11:45 बजे ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। उनके स्वागत को लेकर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कई वरिष्ठ नेता तैयारियों में जुटे हैं। बड़ी संख्या में समर्थक पहले ही एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं। कुछ दिन पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीमार खालिदा जिया की सेहत को लेकर चिंता जताई थी, जिस पर बीएनपी ने आभार प्रकट किया। लंबे समय बाद दोनों पक्षों के बीच इसे एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि तारिक रहमान जुलाई एक्सप्रेसवे के रास्ते स्वागत स्थल तक जाएंगे, जहां वे पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे एवरकेयर अस्पताल जाकर अपनी बीमार मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मुलाकात करेंगे। फिर गुलशन-2 स्थित अपने आवास पहुंचेंगे।

तारिक रहमान कौन हैं?

तारिक रहमान बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान

के बेटे हैं। वे वर्ष 2008 से लंदन में रहकर बीएनपी का नेतृत्व कर रहे थे। उनकी वापसी को बीएनपी के लिए नई ऊर्जा के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन उनके सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पार्टी को एकजुट रखना, युवाओं का भरोसा जीतना और हिंसा व अस्थिरता से जूझ रहे देश को एक स्थिर दिशा देना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी होगी। तारिक रहमान ने मौजूदा यूनुस सरकार पर सवाल उठाते हुए साफ कहा है कि वे जमात-ए-इस्लामी के साथ किसी भी तरह का गठबंधन नहीं करेंगे। बता दें कि इस समय बांग्लादेश की राजनीति गहरे संकट से गुजर रही है। अगले साल फरवरी में संभावित आम चुनाव से पहले देश में तनाव का माहौल है। यह तनाव छात्र संगठनों के जुलाई विद्रोह से शुरू हुआ था। सड़कों पर हुए उग्र प्रदर्शन और भारी हिंसा के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़कर देश से बाहर जाना पड़ा और उन्हें भारत में शरण लेनी पड़ी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। हालांकि, हाल ही में प्रमुख छात्र नेता उस्मान हादी की मौत के बाद एक बार फिर बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए हैं। अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं यूनुस सरकार के पाकिस्तान के साथ नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं और कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी भी दोबारा सक्रिय होता नजर आ रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

लक्ष्य ऐसा बनाओ कि गूगल पर आपका नाम प्रकट होने लगे

कल तक उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के अगेहरा गांव की पहचान सिर्फ एक पिन कोड—225206—तक सीमित थी। यह गांव सआदतगंज पोस्टल हेड ऑफिस के अंतर्गत आता था। लेकिन 24 दिसंबर को जब एक पोस्टमैन ने अपने साथियों से कहा कि "आज मैं इसे डिलीवर करने पूजा के गांव जा रहा हूं," तब यह साफ हो गया कि अब इस गांव की पहचान बदल चुकी है। यह बदलाव किसी नेता या अधिकारी ने नहीं, बल्कि 17 साल की एक साधारण-सी दिखने वाली लड़की पूजा पाल ने किया है। 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 1100 आबादी वाले इस गांव की अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर थी। पूजा भी गांव के अन्य बच्चों की तरह स्कूल जाती थी। गेहूं की कटाई और थ्रेशिंग के मौसम में उड़ने वाली धूल यहां एक आम लेकिन गंभीर समस्या थी। थ्रेशरों से उठने वाली महीन धूल स्कूलों और घरों तक पहुंचती थी। पूजा का स्कूल भी इससे अछूता नहीं था। कक्षा तक धूल पहुंच जाती, बच्चों का पढ़ना-लिखना तो दूर, सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था। श्वास संबंधी बीमारियां पूरे इलाके में बढ़ रही थीं। समय के साथ पूजा कक्षा-दर-कक्षा आगे बढ़ती गई और सातवीं कक्षा में पहुंची, जहां विज्ञान जैसे विषयों से परिचय हुआ। उसे बताया गया कि विज्ञान और तकनीक की मदद से समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह धूल के कारण पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पा रही थी। गांव वालों का कहना था कि गेहूं की कटाई और थ्रेशिंग रोकी नहीं जा सकती, क्योंकि यही उनकी रोजी-रोटी है। एक दिन पूजा ने अपनी मां को रसोई में आटा छानते हुए देखा। तभी उसके मन में विचार आया—अगर जाली की मदद से रसोई में महीन कणों को अलग किया जा सकता है, तो क्या वही तरीका थ्रेशिंग के दौरान उड़ने वाली धूल को रोकने में काम नहीं आ सकता? पूजा ने अपने विज्ञान शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के साथ इस विचार पर काम शुरू किया। लक्ष्य था ऐसा समाधान तैयार करना जो व्यावहारिक, किफायती और बड़े स्तर पर उपयोगी हो। पहले उसने चार्ट पेपर पर अपना आइडिया स्केच किया। कागज और लकड़ी से बने शुरुआती प्रोटोटाइप सफल नहीं रहे, लेकिन पूजा ने हार नहीं मानी। लगातार सुधार करते हुए आखिरकार टिन शीट और वेल्डिंग मशीन की मदद से एक प्रभावी मॉडल तैयार हुआ। इस नवाचार को नाम दिया गया—'भूसा-धूल पृथक्करण यंत्र'। यह यंत्र अनाज अलग करने की प्रक्रिया के दौरान उड़ने वाली धूल और सूक्ष्म कणों को काफी हद तक रोकने में सफल रहा। इससे न सिर्फ किसानों को राहत मिली, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और ग्रामीणों के स्वास्थ्य की भी रक्षा हुई। पूजा के इस मॉडल ने गांव से बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा और पूरे जिले में इसकी चर्चा होने लगी। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मूल्यांकन के बाद इसे इंस्पायर अवार्ड के तहत चुना। इसके बाद पूजा को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट का अवसर मिला। वर्ष 2025 में उसे जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी के 'साकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम' के लिए चुना गया। देशभर से चयनित 54 छात्रों में वह उत्तर प्रदेश की इकलौती छात्रा थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने उसे 'बाल वैज्ञानिक' के रूप में एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया। और अब 26 दिसंबर 2025 को, घास-फूस की झोंपड़ी में पली-बढ़ी पूजा अपने इस नवाचार के लिए प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार ग्रहण करने जा रही है।

क्रिसमस: सामाजिक समता और बंधुता का जीवंत संदेश

त्योहार किसी भी समाज की आत्मा को प्रतिबिंबित करते हैं। वे केवल धार्मिक आस्थाओं की अभिव्यक्ति नहीं होते, बल्कि सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक स्मृति और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। हर सभ्यता के अपने पर्व होते हैं, जो समय-समय पर समाज को यह याद दिलाते हैं कि मनुष्य केवल उपभोक्ता या सत्ता का हिस्सा नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सामाजिक प्राणी है। इसी अर्थ में त्योहार सामाजिक जीवन में आपसी सौहार्द, भाईचारे और समरसता को मजबूती देने का काम करते हैं।

क्रिसमस या 'बड़ा दिन' भी ऐसा ही एक पर्व है। यह प्रभु यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है, लेकिन इसका महत्व केवल ईसाई समुदाय तक सीमित नहीं है। क्रिसमस विश्वभर में एक ऐसे पर्व के रूप में स्थापित हो चुका है, जो प्रेम, शांति, करुणा, समता और बंधुता का सार्वभौमिक संदेश देता है। यह त्योहार हमें अपने मतभेदों, पूर्वाग्रहों और संकीर्ण पहचानों से ऊपर उठकर एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

25 दिसंबर : एक धार्मिक तिथि से आगे

25 दिसंबर केवल एक धार्मिक तिथि नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता के लिए गहरे सामाजिक और नैतिक अर्थों से भरा हुआ दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि किसी भी समाज की असली नींव शक्ति, धन या प्रभुत्व नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, समानता और आपसी भाईचारे पर टिकी होती है। आज जब दुनिया असमानता, घृणा, युद्ध, नस्लवाद, जाति-धर्म के संघर्ष और आर्थिक विषमता से जूझ रही है, तब क्रिसमस का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

क्रिसमस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में एक सभ्य समाज की ओर बढ़ रहे हैं, या केवल तकनीकी विकास और भौतिक प्रगति को ही विकास मान बैठे हैं। प्रभु यीशु का जीवन और उनका संदेश हमें यह सिखाता है कि मनुष्य की महानता उसके संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके मूल्यों में निहित होती है।

गौशाला में जन्म : सत्ता के विरुद्ध एक प्रतीक

ईसा मसीह का जन्म किसी राजमहल में नहीं, बल्कि एक साधारण गौशाला में हुआ। यह घटना केवल एक धार्मिक कथा नहीं, बल्कि अपने आप में एक गहरा प्रतीक है। यह संदेश देती है कि ईश्वर का संदेश सत्ता, वैभव या ऊंच-नीच से नहीं, बल्कि साधारण और हाशिये पर खड़े लोगों के बीच से निकलता है।

ईसा का पूरा जीवन इसी विचार का विस्तार है। उन्होंने समाज के उन वर्गों को गले लगाया, जिन्हें उस समय तिरस्कृत और पापी माना जाता था—गरीब, रोगी, स्त्रियां, शोषित, और सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोग। यह उस दौर में एक क्रांतिकारी विचार था, जब समाज कठोर वर्ग विभाजन और विशेषाधिकारों में बंटा हुआ था। ईसा ने अपने कर्मों से यह सिद्ध किया कि मनुष्य की गरिमा जन्म या वर्ग से नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व मात्र से तय होती है।

"सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं"

ईसा मसीह का सबसे बड़ा संदेश था—"सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं।" यह वाक्य सामाजिक समता की बुनियाद है। इसमें न कोई जाति है, न रंग, न भाषा, न धर्म और न ही आर्थिक हैसियत। यह विचार आज के दौर में भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना दो हजार वर्ष पहले था।

आज दुनिया में अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार गहरी हो रही है। कुछ मुट्ठीभर लोगों के हाथों में अपार संपत्ति सिमटती जा रही है, जबकि बड़ी आबादी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसे में क्रिसमस हमें यह चेतावनी देता है कि विकास तब तक अधूरा है, जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान, अवसर और न्याय नहीं पहुंचता।

भारतीय संदर्भ में क्रिसमस का संदेश

भारत जैसे देश में, जहां संविधान समानता, स्वतंत्रता और बंधुता की बात करता है, सामाजिक यथार्थ आज भी भेदभाव से ग्रस्त है। जाति, धर्म, लिंग और वर्ग के आधार पर असमानताएं आज भी मौजूद हैं। ऐसे में क्रिसमस का संदेश हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है।

यह सवाल उठता है कि क्या हम समानता के मूल्यों को केवल भाषणों और त्योहारों तक सीमित कर चुके हैं, या वास्तव में अपने व्यवहार में उन्हें उतार रहे हैं? ईसा मसीह का जीवन हमें यह सिखाता है कि समानता केवल विचार नहीं, बल्कि कर्म का विषय है। जब तक समानता व्यवहार में नहीं उतरती, तब तक वह एक खोखला आदर्श बनी रहती है।

बंधुता : समाज को जोड़ने वाली कड़ी

क्रिसमस का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है—बंधुता, यानी आपसी भाईचारा। ईसा मसीह ने कहा था—"अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" यह कथन केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि एक संपूर्ण सामाजिक दर्शन है। यह विचार हमें सिखाता है कि समाज केवल कानूनों और संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि आपसी विश्वास, करुणा और संवेदनशीलता से चलता है।

आज के समय में जब समाज में नफरत, अविश्वास और हिंसा बढ़ रही है, तब बंधुता का यह विचार अत्यंत आवश्यक हो जाता है। बंधुता का अर्थ है—दूसरे के दर्द को अपना समझना, उसकी पीड़ा के प्रति संवेदनशील होना और उसके साथ खड़े होने का साहस रखना।

परंपराएं : रस्म नहीं, जिम्मेदारी

क्रिसमस के अवसर पर गरीबों को भोजन कराना, बेसहारा बच्चों को उपहार देना, बीमारों और बुजुर्गों से मिलना—ये परंपराएं केवल औपचारिक रस्में नहीं हैं। ये सामाजिक एकजुटता और मानवीय उत्तरदायित्व के प्रतीक हैं। ये हमें यह याद दिलाती हैं कि समाज केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि कर्तव्यों से भी बनता है।

यदि हम क्रिसमस को केवल केक, सजावट और उपहारों तक सीमित कर दें, तो उसका असली संदेश खो जाता है। क्रिसमस का असली अर्थ तभी सामने आता है, जब हम समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पहचानते हैं।

वैश्विक उत्सव और उसका अर्थ

आज क्रिसमस विश्वभर में एक वैश्विक उत्सव बन चुका है। चर्चों की घंटियां, रोशनी से सजे घर, कैरोल गीत और सांता क्लॉज—ये सब उत्सव का हिस्सा हैं। लेकिन इन प्रतीकों के पीछे छिपा मूल उद्देश्य आत्मा की शुद्धि और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध है।

ईसा मसीह का जीवन त्याग, संघर्ष और सेवा का जीवन था। उन्होंने सत्ता से टकराने का साहस किया, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और प्रेम को अपना हथियार बनाया। यही कारण है कि क्रिसमस हमें सवाल पूछने के लिए प्रेरित करता है—क्या हम अन्याय के सामने चुप हैं, या ईसा की तरह सच के साथ खड़े हैं?

उपभोग के दौर में मानवीय संकट

आज का दौर तकनीक और उपभोग का दौर है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संवेदनाएं सिमटती जा रही हैं। रिश्ते कमजोर हो रहे हैं और इंसान भीतर से अकेला होता जा रहा है। ऐसे समय में क्रिसमस हमें रुककर सोचने का अवसर देता है।

यह पर्व हमें याद दिलाता है कि इंसान की असली पहचान उसकी इंसानियत है, न कि उसकी संपत्ति, पद या पहचान पत्र। प्रेम, करुणा और सहयोग के बिना कोई भी समाज टिकाऊ नहीं हो सकता।

समता और बंधुता : व्यवहार में उतारने की चुनौती

जब हम समता की बात करते हैं, तो हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मान की समान पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। जब हम बंधुता की बात करते हैं, तो हमें धर्म, जाति और विचारधारा से ऊपर उठकर संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना होगा। क्रिसमस इन दोनों मूल्यों को एक साथ जोड़ता है।

यह पर्व हमें यह समझाता है कि सामाजिक परिवर्तन केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

जिम्मेदारी का पर्व

क्रिसमस केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का संदेश है। यह हमें बताता है कि समाज में फैले हर अंधेरे को दूर किया जा सकता है, बशर्ते हम प्रेम और करुणा की लौ जलाए रखें। ईसा मसीह का जीवन इस बात का प्रमाण है कि एक अकेला व्यक्ति भी अपने विचारों और कर्मों से पूरी दुनिया को बदल सकता है। 25 दिसंबर हमें यह संकल्प लेने का दिन है कि हम अपने आसपास फैली असमानता, घृणा और उदासीनता के खिलाफ खड़े होंगे। हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे जहां समता केवल शब्द न हो, बल्कि व्यवहार बने, और बंधुता केवल भावना न हो, बल्कि सामाजिक संस्कृति बने। क्रिसमस सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक संदेश है। यह हमें एक-दूसरे के प्रति दयालु, सम्मानजनक और सहयोगी बनने की प्रेरणा देता है। यह पर्व एक ऐसे समाज के निर्माण का आह्वान करता है, जहां हर व्यक्ति प्यार, सम्मान और समानता के साथ जी सके। क्रिसमस का उत्सव तभी सार्थक होगा, जब वह केवल एक पर्व न रहकर मानवता का सार्वजनिक संकल्प बने। आइए, हम इस क्रिसमस पर यह संकल्प लें कि हम समता, बंधुता और प्रेम को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और समाज में उतारेंगे। यही ईसा मसीह के जीवन का सार है और यही क्रिसमस का सच्चा अर्थ।

जलवायु संतुलन का आधार और रेगिस्तान को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार

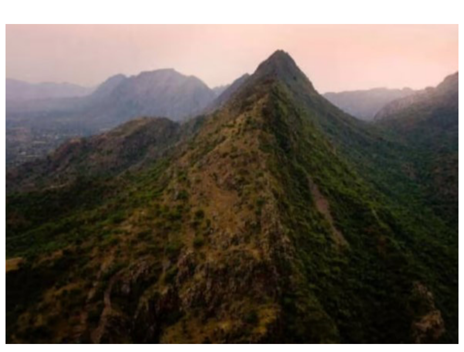

वैश्विक स्तर पर अरावली पर्वतमाला केवल भारत की एक भौगोलिक संरचना नहीं है, बल्कि यह भारतीय उपमहाद्वीप की पर्यावरणीय रीढ़, जलवायु संतुलन का आधार और थार रेगिस्तान को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार है। लगभग 200 करोड़ वर्ष पुरानी यह पर्वतमाला मानव सभ्यता से भी कहीं अधिक प्राचीन है। पृथ्वी पर इतनी पुरानी पर्वतमालाएं अब गिनती की ही बची हैं। इसी कारण अरावली का संरक्षण केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है। विडंबना यह है कि आधुनिक विकास की अंधी दौड़, अनियंत्रित खनन, तेज़ शहरीकरण और नीतिगत अस्पष्टताओं के चलते आज यही पर्वतमाला अस्तित्व के गंभीर संकट से जूझ रही है। हाल ही में खनन से जुड़े नए नियमों और सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सोशल मीडिया पर #SaveAravalli जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। आरोप लगाए जा रहे हैं कि ये नियम अरावली को बचाने के बजाय उसे कमजोर करेंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सोशल मीडिया पर उठ रहा यह शोर तथ्यों पर आधारित है, या फिर भावनात्मक प्रतिक्रिया ने वैज्ञानिक और कानूनी वास्तविकताओं को पीछे छोड़ दिया है?

अरावली पर्वतमाला : भौगोलिक विस्तार और ऐतिहासिक महत्व

अरावली पर्वतमाला भारत के पश्चिमी भाग में गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली हुई है। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 1,47,000 वर्ग किलोमीटर है। यह पर्वतमाला गुजरात के पालनपुर से शुरू होकर दिल्ली तक जाती है। अरावली की सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर (1722 मीटर) राजस्थान के माउंट आबू में स्थित है। भौगोलिक दृष्टि से अरावली का महत्व असाधारण है। यह थार रेगिस्तान को पूर्व की ओर फैलने से रोकती है, उत्तर भारत के भूजल स्तर को संतुलित रखती है, मानसून पैटर्न को प्रभावित करती है और जैव विविधता को संजोए रखती है। यदि अरावली कमजोर होती है, तो इसका सीधा असर दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के जल संकट, तापमान वृद्धि और प्रदूषण पर पड़ेगा। इतिहास में भी अरावली की भूमिका कम महत्वपूर्ण नहीं रही। हड़प्पा सभ्यता से लेकर राजपूत राज्यों और मुगल काल तक अरावली ने जल स्रोतों, खनिजों और प्राकृतिक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य किया। कई प्राचीन नदियों का उद्गम इसी पर्वतमाला से जुड़ा रहा है।

खनिज संपदा और खनन का आकर्षण

अरावली पर्वतमाला खनिज संसाधनों से भरपूर है। यहां तांबा, जिंक, लेड, ग्रेनाइट, मार्बल और कॉपर जैसे मूल्यवान खनिज पाए जाते हैं। औद्योगिक विकास और निर्माण क्षेत्र की बढ़ती मांग ने अरावली को खनन उद्योग के लिए अत्यंत आकर्षक बना दिया। विशेषकर राजस्थान और हरियाणा में दशकों तक अनियंत्रित और अवैध खनन हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि पहाड़ों का क्षरण तेज़ी से हुआ, जंगल नष्ट हुए, जल स्रोत सूखने लगे और आसपास के इलाकों में प्रदूषण बढ़ गया। यही वह बिंदु है जहां विकास और संरक्षण के बीच टकराव पैदा होता है। यह टकराव केवल भारत तक सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेज़न वर्षावन, एंडीज़ पर्वतमाला और अफ्रीकी रिफ्ट वैली में भी यही बहस चल रही है—क्या प्राकृतिक विरासत की कीमत पर आर्थिक विकास स्वीकार्य है?

चार राज्य, चार अलग-अलग नियम : भ्रम और पारदर्शिता का संकट

अरावली पर्वतमाला चार राज्यों में फैली होने के कारण सबसे बड़ी समस्या रही—नियमों की असमानता। हर राज्य के अपने-अपने खनन और पर्यावरणीय नियम थे। कहीं पहाड़ियों की परिभाषा अलग थी, कहीं ऊंचाई की कोई स्पष्ट सीमा नहीं थी, तो कहीं वन क्षेत्र की पहचान ही अस्पष्ट थी। इस असमानता के कारण प्रशासनिक भ्रम पैदा हुआ। खनन माफिया ने इसी अस्पष्टता का लाभ उठाया। एक राज्य में प्रतिबंधित गतिविधि दूसरे राज्य में वैध हो जाती थी। इससे न तो पर्यावरण सुरक्षित रह सका और न ही कानून की साख बनी रही।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप : न्यायपालिका की निर्णायक भूमिका

पर्यावरण संरक्षण के मामलों में भारतीय सुप्रीम कोर्ट की भूमिका वैश्विक स्तर पर सराही जाती है। गंगा और यमुना की सफाई, ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन और वनों के संरक्षण में कोर्ट के हस्तक्षेप मिसाल रहे हैं। अरावली के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। इस समिति में पर्यावरण मंत्रालय, फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया, चारों राज्यों के वन विभाग के अधिकारी और स्वयं सुप्रीम कोर्ट के प्रतिनिधि शामिल थे। यह संरचना अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण आयोगों के अनुरूप थी, जहां नीति, विज्ञान और न्याय का समन्वय होता है।

समिति की सिफारिशें और नवंबर 2025 की मंजूरी

समिति ने विस्तृत सर्वेक्षण, उपग्रह चित्रों, भूवैज्ञानिक डेटा और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन के आधार पर अपनी सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट को सौंपीं। नवंबर 2025 में कोर्ट ने इन सिफारिशों को मंजूरी दी। यही सिफारिशें आज विवाद का केंद्र बनी हुई हैं।

पहली सिफारिश : 100 मीटर ऊंचाई की परिभाषा

नई व्यवस्था के अनुसार, केवल 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ियों को अरावली पर्वतमाला का हिस्सा माना जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। आलोचकों का तर्क है कि इससे 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को खनन के लिए खोल दिया जाएगा। लेकिन समिति का कहना है कि वैज्ञानिक रूप से पर्वतमाला की पहचान केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि भूगर्भीय संरचना और निरंतरता से होती है। अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक मानकों में भी पर्वत और सामान्य पहाड़ी के बीच यही अंतर किया जाता है।

दूसरी सिफारिश : 500 मीटर निरंतरता का सिद्धांत

दूसरा महत्वपूर्ण नियम यह है कि यदि 100 मीटर से ऊंची दो पहाड़ियों के बीच की दूरी 500 मीटर से कम है, तो उस पूरे क्षेत्र को अरावली पर्वत श्रृंखला माना जाएगा और वहां खनन नहीं होगा। यह नियम पर्वतमाला की भौगोलिक निरंतरता को बचाने के लिए है, ताकि खनन के कारण पहाड़ टुकड़ों में न टूट जाएं। यही सिद्धांत यूरोपियन अल्प्स और अमेरिकी अपलाचियन पर्वतमालाओं में भी अपनाया जाता है।

सरकार का पक्ष : 90 प्रतिशत क्षेत्र संरक्षित

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इन नियमों के लागू होने से अरावली का करीब 90 प्रतिशत क्षेत्र संरक्षित हो जाएगा। खनन केवल 0.19 प्रतिशत क्षेत्र, यानी लगभग 278 वर्ग किलोमीटर में ही संभव होगा। सरकार का दावा है कि इससे अवैध खनन पर रोक लगेगी, नियमों में स्पष्टता आएगी और पर्यावरणीय निगरानी बेहतर होगी। साथ ही चारों राज्यों में एक समान नीति लागू होने से प्रशासनिक भ्रम भी समाप्त होगा।

सोशल मीडिया बनाम तथ्य : 'सेव अरावली' विवाद

सोशल मीडिया पर चल रहे अभियानों में भावनात्मक अपील अधिक और तथ्य कम दिखाई देते हैं। कई पोस्ट यह आभास देती हैं कि अरावली को पूरी तरह खनन के लिए खोल दिया गया है, जबकि वास्तविकता इससे काफी अलग है। यह सच है कि अरावली खतरे में है, और उसे बचाने के लिए सतर्कता जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बिना वैज्ञानिक आधार और कानूनी स्पष्टता के संरक्षण संभव नहीं। केवल हैशटैग से न तो पहाड़ बचते हैं और न ही अवैध खनन रुकता है। अरावली पर्वतमाला को बचाने के लिए भावनाओं के साथ-साथ तथ्यों, विज्ञान और कानून—तीनों की जरूरत है। विकास और संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानना होगा। यदि सुप्रीम कोर्ट की सिफारिशों को सख्ती से लागू किया जाए, पारदर्शी निगरानी हो और स्थानीय समुदायों को संरक्षण में भागीदार बनाया जाए, तो अरावली को बचाया जा सकता है।

लड़कियों के लिए शिक्षा के अवसर सीमित हो जाते हैं

-पूजा

उत्तराखंड का बागेश्वर ज़िला पहाड़ों की गोद में बसा हुआ वह क्षेत्र है, जहां प्रकृति की सुंदरता के साथ जीवन की कठिनाइयाँ भी उतनी ही गहराई से मौजूद हैं। यहाँ के गाँव जैसे गरुड़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला गनीगांव दिखने में शांत लगते हैं, लेकिन इन गाँवों की किशोरियाँ रोज़ ऐसे फैसलों और दबावों के बीच जीती हैं, जो उनके बचपन, पढ़ाई और भविष्य को तय कर देते हैं। सरकारी आँकड़े बताते हैं कि बागेश्वर जिले की महिला साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 86 प्रतिशत थी, जो उत्तराखंड के कई अन्य जिलों की तुलना में बेहतर मानी जाती है। लेकिन यह प्रतिशत जमीनी सच्चाई का पूरा सच नहीं बताता। काग़ज़ों में साक्षरता का अर्थ सिर्फ़ नाम लिखना या पढ़ लेना नहीं होता। असली सवाल यह है कि कितनी लड़कियां पढ़ाई पूरी कर पाती हैं, कितनी आगे बढ़ पाती हैं और कितनी को अपने जीवन के फैसले खुद लेने का अवसर मिलता है। NFHS-5 (2019–21) के अनुसार बागेश्वर में लगभग 52 प्रतिशत महिलाएं ही ऐसी हैं जिन्होंने 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा पूरी की है। इसका अर्थ है कि लगभग आधी लड़कियाँ और महिलाएँ दसवीं के बाद पढ़ाई से बाहर हो जाती हैं। यह वही उम्र होती है, जहाँ जीवन की दिशा तय होती है। गनीगांव की 19 वर्षीय दीपा लिंगड़िया कहती हैं "हमारे घर में पाँच बहनें हैं। पापा अकेले खेती और मज़दूरी करते हैं। पढ़ाई का खर्च उठाना बहुत मुश्किल था। किताबें, कॉपी, ड्रेस सब कुछ बोझ लगता था। मेरी दो बहनों की शादी 18 साल में ही कर दी गई।" दीपा की आवाज़ में शिकायत कम, मजबूरी ज्यादा है। वह यह भी कहती हैं कि पढ़ाई छोड़ने का फैसला अचानक नहीं हुआ, बल्कि धीरे-धीरे हालात ने यही रास्ता दिखाया। जब किसी परिवार की आमदनी सीमित हो, तो प्राथमिकताएँ भी सीमित हो जाती हैं। पहाड़ी इलाकों में रोजगार के अवसर पहले ही कम हैं। पुरुषों का पलायन आम बात है और जो रह जाते हैं, वे खेती या दिहाड़ी पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में घर की लड़कियों की पढ़ाई अक्सर "अतिरिक्त खर्च" के रूप में देखी जाने लगती है। यूडीआईएसई प्लस के आंकड़े दिखाते हैं कि पिछले दस वर्षों में प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन बेहतर हुआ है, लेकिन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट की समस्या अब भी बनी हुई है, खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में। 19 वर्षीय कविता रावल बताती हैं "जब तक स्कूल चल रहा था, सब ठीक था। 12वीं के बाद घर बैठी तो हर कोई पूछने लगा कि अब क्या करेगी। फिर रिश्तों की बात शुरू हो गई।" कविता की इस बात साफ झलकता है कि समाज में पढ़ाई को केवल एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाता है। उसके बाद लड़की से अपेक्षा की जाती है कि वह अगले चरण यानी शादी के बंधन में बंध जाए, चाहे इसके लिए वह तैयार भी है या नहीं। यह स्थिति केवल किशोरियों तक सीमित नहीं है। 29 वर्षीय उमा देवी कहती हैं "हमारे यहाँ 18-19 साल में लड़के या लड़कियों की शादी होना अब भी बहुत सामान्य है। लोग इसे गलत नहीं मानते। अगर घर में स्थायी आमदनी हो, तो माता-पिता शायद बेटियों को और समय दे सकें।" उमा देवी की बात यह दर्शाती है कि सोच में बदलाव की इच्छा तो है, लेकिन आर्थिक असुरक्षा उस बदलाव को रोक देती है। बागेश्वर जिले में महिलाओं की साक्षरता दर राज्य के औसत से बेहतर होने के बावजूद, आर्थिक भागीदारी बहुत कम है। एनएसएसओ और राज्य स्तरीय रिपोर्टों के अनुसार उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार घट रही है। इसका सीधा असर यह होता है कि परिवार में निर्णय लेने की शक्ति भी सीमित रह जाती है। जब लड़की आर्थिक रूप से निर्भर होती है, तो उसकी आवाज़ भी कमजोर पड़ जाती है। 48 वर्षीय इंद्रा देवी, जिनकी चार बेटियाँ हैं, अपनी ज़िंदगी के फैसलों को याद करते हुए कहती हैं "रिश्ते आते थे और हम मना नहीं कर पाते थे। हालात ऐसे थे कि बेटी भी ज़्यादा कुछ नहीं कहती थी। वह समझती थी कि घर की हालत ठीक नहीं है।" इंद्रा देवी की यह बात दिखाती है कि कई बार चुप्पी सहमति नहीं, बल्कि महिलाओं की मज़बूरी होती है। इस पूरे परिदृश्य में यह समझना ज़रूरी है कि कम उम्र में शादी केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव और अवसरों की कमी का परिणाम है। जब किसी लड़की के सामने पढ़ाई के बाद न तो नौकरी का रास्ता दिखता है और न ही कौशल प्रशिक्षण का, तो परिवार को लगता है कि शादी ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। लेकिन यह सुरक्षा अक्सर लड़की की आकांक्षाओं की कीमत पर आती है। पिछले कई वर्षों से बागेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी सशक्तिकरण पर काम कर रही सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रेंडी कहती हैं "ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शादी आज भी समाधान की तरह देखी जाती है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा के बाद विकल्पों की कमी इस सोच को मजबूत करती है।" उनका अनुभव बताता है कि यह समस्या व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे से जुड़ी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किताबें, छात्रवृत्ति, साइकिल और स्कूल सुविधा देने से शुरुआती शिक्षा तक पहुँच ज़रूर बेहतर हुई है। लेकिन माध्यमिक शिक्षा के बाद का खालीपन अब भी बना हुआ है। नीलम कहती हैं कि बागेश्वर जैसे ज़िलों में आज भी स्थानीय स्तर पर ऐसा कोई रोजगार आधारित प्रशिक्षण केंद्र नहीं है, जहां किशोरियां प्रशिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन सकें. परिणामस्वरूप, किशोरियाँ पढ़ाई के बाद घर तक सीमित रह जाती हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब लड़कियां घर पर रहती हैं, तो उनसे घरेलू कामों की अपेक्षा बढ़ जाती है। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक छात्रा से घर का काम करने वाली लड़की मात्र में बदल जाती है। यह बदलाव चुपचाप होता है, लेकिन बहुत गहरा असर छोड़ता है। फिर भी, इन पहाड़ियों में उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई किशोरियाँ अब सवाल पूछ रही हैं, अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोच रही हैं और पढ़ाई को केवल डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने का रास्ता मान रही हैं। जब उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहारा और परिवार का भरोसा मिलता है, तो वे आगे बढ़ने की हिम्मत भी जुटा पाती हैं। वास्तव में, बागेश्वर की किशोरियों का संघर्ष सिर्फ़ आँकड़ों की कहानी नहीं है। यह कहानी है सपनों और सीमाओं के टकराव की, इच्छाओं और हालात के संघर्ष की। यदि शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल और सुरक्षा के अवसर मजबूत किए जाएँ, तो ये पहाड़ सिर्फ़ सुंदर नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान से भरे भविष्य के साक्षी भी बन सकते हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

राज्य स्तरीय रोजगार मेला: राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यमिता को दी प्राथमिकता

-92 हजार सरकारी नौकरियां, निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पांच साल में 4 लाख सरकारी एवं 6 लाख निजी रोजगार के अवसर सृजित करने के क्रम में अब तक लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, निजी क्षेत्र में भी 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा नीति भी जल्द लाएगी। शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को कॉमर्स कॉलेज में राज्य स्तरीय रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये रोजगार मेला सरकार की उस सोच का प्रतीक है जिसमें राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यमिता को प्राथमिकता दी है। इसमें निजी क्षेत्र के 20 से अधिक सेक्टर्स से जुड़े 100 से अधिक नियोक्ता भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले हर जिले में निरंतर लगते रहेंगे और स्थानीय स्तर पर निरंतर रोजगार मिलता रहेगा।

दो वर्ष में एक भी पेपर लीक नहीं:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। वहीं, पूर्ववर्ती सरकार के समय में प्रदेश के युवाओं को पेपरलीक के कारण असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि 1893 में स्वामी विवेकानंद ने युवाओं से कहा था 'उठो, जागो और तब तक नहीं रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए'। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरू बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

राइजिंग राजस्थान से रोजगार सृजन:-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने एक रोडमैप बनाकर गत दो वर्षों में पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ कार्य किया। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना से 4 लाख से अधिक युवा लाभान्वित:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग 410 रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन कर 1 लाख 11 हजार से अधिक बेरोजगार अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना संचालित की जा रही है। इस योजना से 4 लाख से अधिक युवा लाभान्वित हुए हैं, और 1 हजार 156 करोड़ की राशि बेरोजगारी भत्ते के रूप में वितरित की जा चुकी है। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मरूधरा की मिट्टी के युवा मेहनती और अनुशासित हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियां यहां के युवाओं को रोजगार का अवसर दे रही हैं। इसी कड़ी में यह रोजगार मेला आत्मनिर्भरता का द्वार है। प्रदेश में रोजगार शिविरों के माध्यम से निजी क्षेत्र में युवाओं को नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निजी कंपनी में रोजगार प्राप्त करने वाले चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने विभिन्न कंपनियों की स्टॉल का अवलोकन किया और जानकारी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित बड़ी संख्या में युवा एवं निजी नियोक्ता उपस्थित रहे।

झोटवाड़ा पूरब मंडल में सुशासन रथ यात्रा

-सेवा पखवाड़ा के तहत जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा के तहत झोटवाड़ा पूरब मंडल में सुशासन रथ यात्रा पहुँची। कार्यक्रम में झोटवाड़ा विधानसभा प्रभारी व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र सिंह यादव, जिला संयोजक रामनिवास यादव, तहसीलदार जयपाल सिंह, विधानसभा संयोजक शंकर यादव, सहसंयोजक महेंद्र देवदां, मंडल अध्यक्ष रामफूल यादव, मंडल संयोजक रमेश टोडावता, आईटी संयोजक देवेंद्र शर्मा, निमेड़ा सरपंच ओंकारमल लंबा, GSS उपाध्यक्ष रामनिवास शर्मा, गजेंद्र बुरी,जानकी लाल शर्मा,सत्यनारायण पांडा ,लछमीनाराय शर्मा,रामकुमार मीना,ग्यारसी लाल ,बैरुराम मंगल पिपरोदा पंचायत समिति सदस्य मदन बुरी, धानक्या सरपंच प्रतिनिधि रामू गौरा, शक्ति केंद्र प्रमुख भैरू बुरी, सूरज सिंह सरपंच सुनीता नायक,गंगा सहाय शर्मा, बाबू लाल खोल्या, कैलाश बागड़ा, जगदीश शर्मा, छोटी लाल बागड़ा, रामनिवास शर्मा,गणपत लाल शर्मा, तिर्लोक बागड़ा, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं बीजेपी के बूथ अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि व समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे। रथ यात्रा का उद्देश्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाना और मौके पर समस्याएँ सुनकर समाधान करना है, जैसा कि प्रदेश के अन्य स्थानों पर पहुँची रथ यात्राओं में भी किया जा रहा है ।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का त्रयोदश दीक्षांत समारोह आयोजित

-2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने में युवाओं की निर्णायक भूमिका- बागडे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नए आरंभ का प्रतीक है। उपाधि प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए। इसके साथ बौद्धिक क्षमता, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध का विकास भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह समावर्तन संस्कार प्राचीन भारतीय परंपरा से जुड़ा है। इसमें गुरु शिष्यों को अंतिम उपदेश देते थे। सत्य के मार्ग पर चलने, धर्म का आचरण करने और शिक्षा पर अहंकार नहीं करने की सीख देते थे। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का त्रयोदश दीक्षांत समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय के सत्यार्थ सभागार में गरिमामय एवं भव्य वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागडे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागडे ने विभिन्न संकायों के 54 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति पीएचडी की उपाधि प्रदान की। साथ ही वर्ष 2020 से 2025 के मध्य उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति पदक तथा वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 40 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने अजमेर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि अजमेर का प्राचीन नाम अजयमेरु रहा है। इसे चौहान शासक अजयराज ने बसाया था। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती को युगपुरुष बताते हुए कहा कि वेदों की ओर लौटो का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने शिक्षा को व्यवहार से जोड़ने, चरित्र निर्माण, आत्मविकास, ब्रह्मचर्य, योग, प्राणायाम, वेद-उपनिषद तथा मातृभाषा और संस्कृत में अध्ययन की प्रेरणा दी। राज्यपाल ने कहा कि उपाधि प्राप्त विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अपनी शिक्षा का उपयोग करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र एवं विश्वगुरु बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों में शोध एवं प्रयोगशालाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बौद्धिक विकास का प्रमाण व्यक्ति के कार्य और व्यक्तित्व से परिलक्षित होता है। साथ ही विद्यार्थियों को खेलकूद के माध्यम से शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनने, नैतिकता अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण एवं उसके संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल बागडे ने बृहस्पति भवन के सामने स्थित दो उद्यानों का नामकरण एक भारत श्रेष्ठ भारत विहार एवं संस्कृति विहार करने की घोषणा की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह वह क्षण है जब विद्यार्थियों के सपनों को औपचारिक मान्यता मिलती है। शिक्षा ही मानव को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और संवेदनशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता बताई।जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि यह समारोह भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का गौरवशाली उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उपाधि मंजिल नहीं बल्कि उड़ान की शुरुआत है। बदलते समय में समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार एवं अनुसंधान पर कार्य करना आज की आवश्यकता है।

जयपुर: ई-रिक्शा बैन पर बवाल, आमेर रोड पर उतरे चालक

-ACP की समझाइश से टला टकराव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमेर और परकोटे में ई-रिक्शा के संचालन पर रोक (बैन) के फैसले के खिलाफ आज ई-रिक्शा चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। 10 जनवरी तक लगाए गए इस प्रतिबंध से नाराज सैकड़ों चालक आमेर रोड पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। चालकों का कहना है कि प्रशासन के इस फैसले से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर काम बंद रहा तो वे अपने परिवार का गुजारा कैसे करेंगे? "पेट की आग" और परिवार की चिंता को लेकर चालकों ने अपनी व्यथा सुनाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बन गई थी, लेकिन एसीपी (ACP) सुरेंद्र सिंह राणावत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रदर्शनकारी चालकों से बात की और समझाइश कर मामला शांत कराया, जिससे बड़ा टकराव टल गया। फिलहाल पुलिस ने चालकों को समझाकर रास्ता खुलवा दिया है, लेकिन चालकों में रोजगार छिनने का डर बना हुआ है।

83 वर्षीय वृद्धा से दुष्कर्म का 24 घंटे में खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस ने 83 वर्षीय वृद्ध महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को अज्ञात आरोपी को महज 24 घंटे में गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा (आईपीएस) ने बताया कि 22 दिसंबर 2025 को पीड़िता शाम के समय शौचालय के लिए गई थी। इसी दौरान मुँह बांधे हुए एक व्यक्ति ने महिला को घसीटकर सुनसान स्थान पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर थाना मनोहरपुर में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निर्देशन में थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेन्द्र सिंह (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम सुरेन्द्र सिंह हैड कानि. सुरज्ञान कानि.,राकेश कानि., आशीष कानि., मनोज कानि., रमेश कानि. विशेष टीम में रहे।

विशेष भूमिकाः- सुरज्ञान कानि, राकेश कानि, मनोज कानि आदि का गठन किया गया। टीमों ने इलेक्ट्रॉनिक व भौतिक साक्ष्य जुटाए, मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया तथा एफएसएल मोबाइल यूनिट जयपुर ग्रामीण की सहायता ली। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए दुष्कर्म के आरोपी लोकेश जावा उर्फ लोकू (29 वर्ष) निवासी बुनकर मोहल्ला, बिशनगढ़, थाना मनोहरपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ जारी है तथा मामले में आगे की जांच की जा रही है। त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली की सराहना हो रही है।

समाजसेवी डॉ. माल्या "प्राइड ऑफ़ इंडिया" अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग की ओर से आयोजित " अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित सम्मान समारोह 2025 " में समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या को "प्राइड ऑफ़ इंडिया" से नवाजा गया। डॉ. माल्या को यह अवार्ड जयपुर के राज आँगन रिसोर्ट में आयोजित "अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित सम्मान समारोह 2025" में समर्पण संस्था द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधान आयकर आयुक्त अनिल कुमार जैन, आसपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमेश मीणा, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सन्तोष बजाज, सेवानिवृत्त आईएएस पी सी बेरवाल ने दिया । उल्लेखनीय है कि डॉ. माल्या को इससे पूर्व भी उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी है ।

मनोहरपुर के आरम्भ क्लासेज से बड़ी सफलता

-एक माह में 25+ विद्यार्थियों का सरकारी नौकरियों में चयन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर क्षेत्र के आरम्भ क्लासेज ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बीते एक महीने के भीतर ही संस्थान से 25 से अधिक विद्यार्थियों का चयन विभिन्न सरकारी नौकरियों में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में आर्मी, राजस्थान पुलिस और पटवारी जैसे प्रतिष्ठित पद शामिल हैं। इस दौरान संस्थान संचालक कमलेश यादव ने बताया कि आरम्भ क्लासेज में अनुशासन और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाता है। पूरे दिन संस्थान में साइलेंट रहता है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण मिलता है। सभी विषयों की कक्षाओं के साथ-साथ सेल्फ स्टडी का समय भी सुनिश्चित किया जाता है और विद्यार्थियों की नियमित निगरानी की जाती है। संस्थान की एक विशेष पहल के तहत

विधवा माताओं की बेटियों और जिन छात्राओं के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इस कारण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। संस्थान से चयनित विद्यार्थियों में लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी छात्राओं की होना इस पहल की सफलता को दर्शाता है। ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं भी अब शहरों की ओर जाने के बजाय स्थानीय स्तर पर बेहतर तैयारी कर सरकारी सेवाओं में चयनित हो रही हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुनेश यादव, जयराम यादव, रेखराज सहित अनेक गणमान्य लोगों ने खुशी जाहिर की और संस्थान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर आरम्भ क्लासेज ग्रामीण प्रतिभाओं को नया मुकाम दिला रहा है।

अरावली और मनरेगा पर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी जन-जागरण अभियान

-27 दिसंबर से पैदल मार्च और विरोध-प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा की केन्द्र सरकार द्वारा षड़यंत्र रचकर प्रदेश की पहचान अरावली पर्वतमाला की गलत परिभाषा प्रस्तुत कर राजस्थान की जीवनरेखा अरावली पर्वतमाला को समाप्त करने हेतु खनन् माफियाओं के हवाले करने का प्रयास किया गया है तथा देश भर में यूपीए सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीबों को रोजगार की गारंटी का अधिकार देने वाला मनरेगा कानून को बदल कर रोजगार के अधिकार को छीनने का कार्य किया गया है, इसके विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश भर में जिला, ब्लाक, मण्डल एवं बूथ स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा और विरोध-प्रदर्शन किये जायेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि अरावली पर्वतमाला कि गलत परिभाषा तथा मनरेगा कानून में परिवर्तन के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश भर में दिनांक 27 दिसंबर 2025 से कांग्रेस पार्टी द्वारा जन जागरण अभियान एवं विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे दिनांक 27 दिसंबर 2025 को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अरावली बचाओ जन आंदोलन के तहत 3 किलोमीटर से अधिक का पैदल मार्च निकाला जाएगा तत्पश्चात सभी कांग्रेसजन एक जगह एकत्रित होकर महात्मा गांधी के चित्र के साथ मनरेगा योजना को कमजोर करने के विरोध में भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। दिनांक 28 दिसंबर 2025 को सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में अरावली बचाओ जन आंदोलन के तहत् क्षेत्र के मुख्य मार्गों को शामिल करते हुए जन जागरण हेतु 3 किलोमीटर से अधिक का पैदल मार्च निकाला जाएगा इसके पश्चात सभी कांग्रेसजन एक जगह एकत्रित होकर महात्मा गांधी जी के चित्र के साथ केन्द्र सरकार के खिलाफ मनरेगा को कमजोर करने के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार दिनांक 30 अथवा 31 दिसंबर 2025 को सभी मण्डल एवं नगर कांग्रेस कमेटियां अपने-अपने क्षेत्र में जन जागरण हेतु गांव-गांव, ढाणी-ढाणी एवं कॉलोनियों में भाजपा की केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के अरावली को नष्ट करने के षड्यंत्र को उजागर करने हेतु गोष्ठियां आयोजित करेंगी एवं प्रभात फेरियां भी निकाली जायेंगी। इन गोष्ठियों में मनरेगा को किस प्रकार केन्द्र सरकार ने कमजोर किया है इस पर भी आमजन को जानकारी प्रदान की जाएगी तथा प्रभात फेरियों के पश्चात सभी कांग्रेसजन केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून को कमजोर करने के विरोध में प्रदर्शन करेंगे।

सुशासन दिवस पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली सुशासन की शपथ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिवस गुरुवार को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान जिले भर के राजकीय कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सुशासन की शपथ ली। जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ। यहां माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से सभी कार्मिकों को सुशासन की शपथ दिलाई। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रशासनिक एवं राजस्व अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कलेक्ट्रेट में उपस्थित रहे। सभी ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। जिला कलक्टर ने कार्मिकों से आमजन के हित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्मिक सरकार के महत्वपूर्ण अंग हैं। वे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए गंभीरता से कार्य करें, जिससे आमजन को राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 19 से 25 दिसंबर 2025 तक सुशासन सप्ताह मनाया गया। इसके तहत प्रशासन गांव की ओर शिविर तथा जिला स्तरीय कार्यशाला सहित अन्य कार्यक्रम हुए। इसी श्रृंखला में गुरुवार को सुशासन दिवस समारोह आयोजित हुआ।

टीबी मुक्त भारत अभियान: प्रदेश में घर-घर सर्वे का दूसरा चरण प्रारम्भ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा विभाग क्षय रोग मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 25 दिसंबर 2025 से सक्रिय क्षय रोग खोज (Active Case Finding – ACF) अभियान का दूसरा चरण प्रारम्भ किया गया है, जो 15 जनवरी, 2026 तक संचालित किया जाएगा। चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि यह अभियान 15 जनवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी के छिपे हुए मामलों की शीघ्र पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत PLHIV, मधुमेह रोगी, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान/मद्यपान करने वाले, प्रवासी श्रमिक, आदिवासी समुदाय, पूर्व टीबी रोगी, साथ ही खनन एवं निर्माण स्थलों, जेलों तथा शहरी झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है।

जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि अति संवेदनशील जनसंख्या की प्रभावी स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने हेतु राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों को स्पष्ट जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं तथा अभियान की दैनिक प्रगति की समीक्षा की जा रही है। अभियान का यह दूसरा चरण राज्य में टीबी रोगियों की सक्रिय खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा नए रोगियों की पहचान कर टीबी उन्मूलन के प्रयासों में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने कहा कि राजस्थान में घर-घर जाकर क्षय रोग के लक्षणों की जांच का यह अभियान राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जिला स्तरीय टीमों के सतत प्रयासों और आमजन की भागीदारी से अधिकतम संभावित रोगियों की समय पर पहचान संभव हो रही है, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को प्रभावी रूप से तोड़ा जा सकेगा। राज्य नोडल अधिकारी (टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान) डॉ. एस.एन. धौलपुरिया ने बताया कि सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छूटे हुए परिवारों एवं आबादी की शीघ्र स्क्रीनिंग सुनिश्चित करें। चिकित्सा विभाग ने आमजन से अपील की है कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं और इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

आवश्यक नम्बर — रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

कॉम काजियान ने गोल्ड मेडलिस्ट तबस्सुम का किया सम्मान

-महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय नई सड़क राजेन्द्र स्टूडियो के पास कल देर शाम को, चूरू शहर की प्रथम मुस्लिम महिला तब्बसुम बानो को एमए ऊर्दू के टॉपर बनने व गोल्ड मेडल हासिल करने पर कॉम काजियान ने तब्बसुम बानो के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया पूर्व सदर ज़ाकिर झरियावाला ने बताया तब्बसुम पत्नी इमरान के चूरू पहुँचने पर जलूस के रूप में नई सड़क, भरतीया कुआ, पठान चौक, भाटी स्ट्रेट व शहर के मुख्य मार्गों पर जगह जगह फुल ओर नोटो की मालाओं से स्वागत आतिशबाजी के साथ किया, जुलूस काफिले के साथ सम्मान समारोह सभा तक लाया गया, सभा की अध्यक्षता कॉम काजियान के सदर संजय भाटी ने की व मुख्य अतिथी के रूप मे पूर्व सभापती गोविन्द महनसरिया थे वारिष्ट अतिथी कोंग्रेस ब्लोक अध्यक्ष असलम खोखर व सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी अब्दुल ज़ब्बार, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब जिलाध्यक्ष जमील चौहान रहे संजय भाटी ने तब्बसुम की कामयाबी बताते हुवे कहा ये पूरे चूरू के लिये फक्र की बात है गोविन्द महनसरिया ने बेटी के उज्जवल भविष्य के लिये आशीर्वाद दिया अब्दुल ज़ब्बार ने इस कामयाबी के लिये तब्बसुम की जीत को दुसरे बच्चों के लिये प्रेरणा बताया और ससूर य़ाकिल फिर जी के साथ तब्बसुम को बधाई दी अंत में तब्बसुम ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने सास-ससूर, माता-पिता और अपने अध्यापकों को दिया कार्यक्रम में शहर के निवर्तमान पार्षदों में अज़ीज़ खान, बाबू खान मंत्री, समीउल्लाह गौरी, नोमान सैय्यद, इस्माइल भाटी, सेवानिवृत्त अध्यापक दिन मोहम्मद, सेवानिवृत्त व्याख्याता असगर अली ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन इमरान मंसूरअली ने किया। इस अवसर पर आज़म भाटी, खादिम खान, रशीद सैय्यद, इमरान भाटी मोहसिन अली, इरफ़ान भाटी काज़ी अब्बास, अकरम टेलर, खादिम, मास्टर वसीम शेरा, नाइफ, बंटी, साईंल,फय्याज भाई, अबू मिस्त्री सहित बड़ी संख्या में महिलाएं आदि उपस्थित थे ।

गुरुजी ने अपने चमत्कारिक स्पर्श से लोगों का जीवन तराशा

-गुरुजी महावीर सिंह यादव की जयंती पर विधि क्षेत्र में उनके योगदान का स्मरण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विधि के क्षेत्र में गुरुजी के नाम से विख्यात विधि कॉलेज के पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय महावीर सिंह यादव का जन्मदिन गुरुवार को चूरू जिला मुख्यालय स्थित शर्मा कॉलोनी में भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विधि के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि चूरू में विधि शिक्षा की जो मजबूत नींव उन्होंने रखी, वह आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। गुरुजी ने अपने दायरे में आने वाले लोगों का जीवन अपने चमत्कारिक स्पर्श से तराशा। वक्ताओं ने कहा कि महावीर सिंह यादव न केवल एक उत्कृष्ट शिक्षक थे, बल्कि उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में अपने शिष्यों और अनुयायियों का मार्गदर्शन किया। उनके पास आने वाले अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल गई। चूरू क्षेत्र में विधि सेवाओं और विधि शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि गुरुदेव के पदचिह्नों पर चलते हुए आज चूरू क्षेत्र में युवाओं को विधि के क्षेत्र में तराशने का कार्य चंद्रशेखर पारीक, महेंद्र सैनी और विधि सत्संग टीम द्वारा किया जा रहा है, जिसके लिए सभी वक्ताओं ने उनका आभार जताया। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी जीएसटी में डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा

कि चूरू जैसी सामान्य समझी जाने वाली जगह से निरंतर उच्च कोटि की प्रतिभाओं का निकलना और विधि के क्षेत्र में सशक्त कार्य होना, यह महावीर सिंह यादव की प्रेरणा का ही परिणाम है।गंगानगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नारायण प्रसाद ने भी गुरुदेव का स्मरण करते हुए कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। चूरू जैसी छोटी जगह में आज विधि क्षेत्र में जो बड़ा कार्य हो रहा है, वह गुरुदेव का ही चमत्कार है। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं, मजिस्ट्रेट्स, विधि विद्यार्थियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने गुरुदेव के साथ जुड़े अपने संस्मरण साझा किए और भावनात्मक ढंग से उन्हें याद किया। अनेक लोगों ने गीत और कविता के माध्यम से भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम का आयोजन विधि सत्संग संस्था की ओर से किया गया। संस्था के महेंद्र सैनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा चंद्रशेखर पारीक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसीजेएम अजय पूनिया, एसीजेएम अमरजीत कुलहरि, आरजेएस अविनाश चांगल, हिमांशु कुमावत, ऊषा प्रजापत, नेहा कुमावत, सौरभ बंसल, पूनम अग्रवाल, निकिता मीना, कोषाधिकारी धीरज जोशी, उप विधि परामर्शी धर्मपाल शर्मा, व्याख्याता अनिल सैनी, व्याख्याता सुरेश नायक, नव चयनित आरजेएस लक्ष्मी, एएलआर महेंद्र सैनी, एसीजेएम प्रदीप कुमावत, शिखा शर्मा (आरजेएस), आकाश (आरजेएस), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रघुवीर सिंह राठौड़, दिलीप दीक्षित (एसएलओ), पोषिता (जेएलओ), बलवीर (जेएलओ), अनुभव (जेएलओ), योगेंद्र (जेएलओ), बार काउंसिल उपाध्यक्ष देवेंद्र महलाना, रोशन सिंह राठौड़, पूर्व बार अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शेखावत, रामकिशन(जेएलओ) संतोष चांगल, डॉ. मनोज योगाचार्य, भंवर सिंह सामौर, सेवानिवृत्त डीएलआर शुभकरण, आरती सामौर, गीता सामौर, मानसिंह सामौर, विधि रचनाकार नोमिका सहारण, एडवोकेट यूनुस खान, देवेंद्र शर्मा, पुष्पकांत शर्मा एडवोकेट, रमेश स्वामी सहित अनेक अधिवक्ता एवं विधि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व को समृद्ध करने में पुस्तकों का अहम योगदान: डॉ. वर्मा

-प्रयास पुस्तक उपहार योजना का शुभारंभ एवं लोगो का किया विमोचन

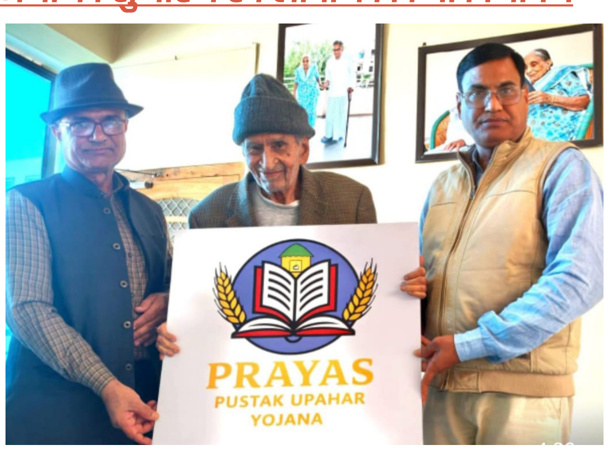

चूरू/झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। पुस्तकें व्यक्ति को समय के साथ रखते हुए सुदृढ़ व्यक्तित्व के गढ़ने का सशक्त माध्यम हैं। जो व्यक्ति पुस्तकों से जुड़ा हुआ है, उसके सोचने और समझने का नजरिया ही अलग होता है। ज्ञान व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। उक्त विचार शिक्षाविद् डॉ. घासीराम वर्मा ने झुंझुनू में प्रयास संस्थान की पुस्तक परियोजना अंतर्गत 'प्रयास पुस्तक उपहार योजना' का शुभारंभ कर लोगो का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। अमेरिका में प्रोफेसर रहे 98 वर्षीय डॉ. वर्मा ने कहा कि इस योजनांतर्गत प्रयास संस्थान अंचल के पुस्तकालयों को समृद्ध करेगा, यह प्रसन्नता की बात है। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि संस्थान स्थानीय साहित्यकारों एवं राजस्थानी भाषा को प्राथमिकता में रखते हुए अंचल के पुस्तकालयों में जनसहयोग से क्रय की गई पुस्तकें उपहार स्वरूप भेंट कर पुस्तक-संस्कृति को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर विजयगोपाल मोठसरा, अशोक कुमार डूडी, डॉ. कृष्णा जाखड़ आदि मौजूद रहे।

चूरू जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार सुण्डा ने शिक्षक की दशा और दिशा पर चिंता व्यक्त की

-41 सूत्री मांग पत्र संस्कृत शिक्षा विभाग एवं राज्य सरकार को प्रेषित किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ के रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय मदाऊ जयपुर में हुए प्रांतीय सम्मेलन में चूरू जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार सुण्डा ने शिक्षक की दशा और दिशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जापान में न्यायाधीश द्वारा शिक्षक का सम्मान किया जाता है, अमेरिका में प्राथमिक अध्यापक को नींव का निर्माता मानकर अधिक वेतन देकर सम्मान दिया जाता है, वहीं आचार्य देवो भव की संस्कृति वाले भारत में आज शिक्षक की दयनीय दशा क्यों है? 51 वें 2 दिवसीय प्रान्तीय सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष अशोक तिवाड़ी मऊ द्वारा प्रांत के सभी प्रतिनिधियों से विचार विमर्श कर यह 41 सूत्री मांग पत्र तैयार कर समुचित कार्यवाही हेतु संस्कृत शिक्षा विभाग एवं राज्य सरकार को प्रेषित किया है। मांग-पत्र में शिक्षक संगठनों की गिरदावरी करवाकर मान्यता देने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने, हाई पावर कमेटी गठन के उद्देश्यों एवं निर्देशों की पूर्णतया पालना सुनिश्चित करने, 1977-78 के नियमों की बकाया डीपीसी करने, विद्यालयों के पदों की समीक्षा करवाकर पुनः नियमानुसार पद आवंटित करने, विभिन्न कार्यालय में प्रतिनियुक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त करने एवं अधिशेष शिक्षकों को आवश्यकता वाले विद्यालयों में प्रतिनियुक्त करने, वर्तमान

सत्र तक सभी रिव्यू एवं नियमित डीपीसी करने, डीपीसी में 48 प्रतिशत की बाध्यता हटाने, चूरू एवं पाली मण्डल कार्यालय शुरू करवाने, विद्यालय विंग के जेडी डीडी एडी के पद देने, प्राध्यापकों की वेतन विसंगति दूर करने, सभी जिला मुख्यालयों पर वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय व संस्कृत कॉलेज खोलने, जिला मुख्यालयों पर जिला संस्कृत शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित करने, शिक्षक पुरस्कार का कोटा पहले की तरह बहाल करने, पुरस्कृत शिक्षकों को अतिरिक्त जीआई देने, विभागीय नीति के अनुसार प्रदेश में नए संस्कृत विद्यालय खोलने, शारीरिक शिक्षकों के साथ ही कम्प्यूटर अनुदेशक, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों के पद देने, शिक्षा बजट का 10 प्रतिशत संस्कृत शिक्षा को देने, विभागीय कार्मिकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से पूर्ण रूपेण मुक्त करने, सम्भाग एवं निदेशालय में डीआई पद पर प्रधानाचार्य को लगाने, अनुदानित शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन का लाभ देने, सभी मण्डल मुख्यालयों पर संस्कृत शिक्षा के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय स्थापित करने, शालादर्पण के सभी टैब चालू करने, छठवीं से बारहवीं तक संचालित विद्यालयों में प्राथमिक कक्षाएं स्वीकृत करने, वरिष्ठ उपाध्याय व संस्कृत कॉलेजों में शुक्ल यजुर्वेद विषय देने, सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ संस्कृत विद्यालयों को विभाग के माध्यम से देने, समसा कार्यालय में अलग से शाखा बनाकर विभागीय अधिकारी को प्रतिनियुक्त करने, सत्र में दो बार समस्या समाधान शिविर लगाने, शिक्षक एप्प के लिए के मोबाईल फोन उपलब्ध कराने, विभाग में जेईएन एईएन लगाने, विद्यालयों का प्रभावी निरीक्षण करवाने, संस्कृत शिक्षा निःशुल्क करने, मिडिल स्कूलों में प्रधानाध्यापक के पद पर सभी विषयों के वरिष्ठ अध्यापक लगाने, विद्यालयों को मर्ज करने के बजाय स्थानांतरित करने, पाचिका का मानदेय न्यूनतम मजदूरी के बराबर करने, विभागीय कार्मिकों की क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित करवाने एवं सर्व शिक्षा अभियान मद में कार्यरत रहे शिक्षकों के टीवी नम्बर एवं भुगतान तिथि ऑनलाइन करवाने की मांग शामिल है। प्रदेश महामंत्री दयालसिंह काजला ने बताया कि मांग-पत्र में मुख्यतः शिक्षक, शिक्षार्थी एवं विभागीय स्तर के ज्वलंत मुद्दों को स्थान दिया गया है।

समस्या समाधान शिविरों में आमजन को मिल रही राहत

बारां । राज्य सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने और सुशासन सप्ताह के अंतर्गत ग्रामीण समस्या समाधान शिविर प्रत्येक भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त पर आयोजित हो रहे हैं। इनमें ग्रामीणों की समस्याओं का हाथोहाथ निस्तारण हो रहा है। इस पर लाभार्थियों द्वारा राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को बारां, अंता, छीपाबड़ौद, अटरू, कस्बाथाना व नाहरगढ़ में में शिविर आयोजित हुए। शिविरों में राजस्व विभाग द्वारा लंबित फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण करना, किसान गिरदावरी एप डाउनलोड करवाना, राजस्व न्यायालयों के लंबित नोटिसों की तामिली, कुरेजात रिपोर्ट तैयार करना, सहमति से विभाजन, नामांतरण, मूल निवास व जाति प्रमाण पत्र जैसे कार्य संपादित कर ग्रामीणों को राहत दी गई। शिविरों में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करते हुए पट्टे वितरित किए गए।

श्रीराम स्कूल समूह का 'संगम–2025' बना शिक्षा, संस्कृति और सम्मान का उत्सव

-जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को बाइक व उपखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को ई -बाइक उपहार दी जाएगी

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना मंडी स्थित श्रीराम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल एवं श्रीराम कॉन्वेंट एकेडमी का संयुक्त वार्षिकोत्सव 'संगम–2025' अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कृति और प्रतिभा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती संतोष बाबरी रहीं, जबकि कार्यक्रम अध्यक्ष गुरमोहन सिंह धालीवाल थे। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. तनुज शर्मा (आदर्श आई केयर हॉस्पिटल) उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में सीबीईओ घड़साना शैलेंद्र थोरी, एसीबीईओ शक्तिचंद बंसल, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष श्रवण सिंह, सहित शिक्षा, प्रशासन, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय डायरेक्टर परविन्द्र सिंह एवं श्रीमती संतोष ने सभी अतिथियों व अभिभावकों का पुष्पगुच्छ व अभिनंदन के साथ स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती संतोष बाबरी ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीराम स्कूल समूह अनूपगढ़ विधानसभा में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। कड़ा अनुशासन, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम इसकी मजबूत पहचान हैं। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मंच पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पंजाबी गिद्धा, राजस्थानी

लोकनृत्य, हरियाणवी लोकगीत एवं वीर बाल दिवस पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर गत सत्र के टॉपर विद्यार्थियों को लैपटॉप व साइकिल, जबकि अन्य मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्था डायरेक्टर परविन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए घोषणा की कि सत्र 2025–26 में यदि कोई विद्यार्थी 10वीं या 12वीं बोर्ड परीक्षा में राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त करता है तो उसे उपहार स्वरूप कार दी जाएगी। वहीं जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को बाइक तथा उपखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को ई-बाइक प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने अनुशासित एवं सुव्यवस्थित तरीके से सभी आगंतुकों का स्वागत एवं व्यवस्था संभाली। इस मौके पर देव ढूंढाडा, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रवण सिंह, राजीव खिरबाट, अनूप लिडिया, सम्पत मेघवाल, प्रवीण गर्ग, देवीलाल सिहाग, मेजर सिंह प्रधानाचार्य 17 एमडी , रामकुमार शर्मा, प्रमोद अग्रवाल, संदीप स्वामी, इंस्पेक्टर राजेन्द्र जोशी, डूंगर राम मेघवाल, नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन संदीप सिंह ढिल्लों, डॉ. मनीष परिहार, रमनदीप कौर गिल, विनोद कारगवाल, जसवीर हंस मनीष सेतिया सहित अनेकों गणमान्य नागरिक व अभिभावक उपस्थित थें।

दीपक सिंह का भारतीय टीम में चयन होने पर करौली जिला बॉल बैडमिंटन टीम ने किया स्वागत

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली के खिलाड़ी दीपक सिंह का भारतीय टीम में चयन होने पर करौली जिला बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष देवी सिंह राजपूत (बदनपुरा), संघ के सचिव गोपाल सिंह रौत्रवाल, कोषाध्यक्ष राजू लाल डागुर सहित समस्त कार्यकारणी ने खुशी व्यक्त की और दीपक सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दीपक सिंह क्रीड़ा भारती खेल केंद्र सोमला रात्रा का है नियमित खिलाड़ी खेलकेंद्र सोमला रात्रा पर अपनी सेवा दे रहे राष्ट्रीय कोच गोपाल सिंह रौत्रवाल (जिला मंत्री क्रीड़ा भारती), क्रीड़ा भारती जिला

करौली के संरक्षक ऊँकार लाल मीना, विभाग संयोजक हरीश पाठक जिलाध्यक्ष महेश तिवारी उपाध्यक्ष विक्रम जाट शा.शि. कोषाध्यक्ष शशि कुमार जिला मातृशक्ति प्रमुख ममता बैनीवाल, देशराज बैनीवाल शा.शि. एवं समस्त कार्यकारणी के साथ ही देवेंद्र कुमार व्याख्याता शा.शि. भरतपुर ने दीपक को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

युवा कांग्रेस चूरू की ओर से अरावली बचाओ पदयात्रा आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय मंडेलिया हाउस में युवा कांग्रेस के चूरू विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके की ओर से अरावली बचाओ सभा तथा सभा के उपरांत मण्डेलिया हाऊस से लेकर वीरगति स्मारक तक अरावली बचाव पदयात्रा का आयोजन किया गया। अरावली बचाओ पदयात्रा के मुख्य आकर्षक राजस्थान प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष एवं संगरिया विधायक अभिमन्यु पुनियां थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र सह प्रभारी रेहान रेयाज चिश्ती ने की। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान सह प्रभारी कपिल देसाई थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं सीकर सम्भाग प्रभारी लक्ष्मण सांखला, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं चूरू जिला प्रभारी जयदत्त जांगिड़, शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशोर दांदू, पीसीसी सचिव रियाजत अली खान, नगर परिषद् चूरू में पूर्व नेता प्रतिपक्ष मोहम्मद हुसैन निर्वाण, युवा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व उप सभापति रमजान खान। कार्यक्रम में स्वागत भाषण युवा कांग्रेस के चूरू विधानसभा अध्यक्ष शोयल खान डीके ने दिया। इस अवसर पर जमील चौहान, आरिफ पीथिसर, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव हर्ष लाम्बा, अबरार खान, विमल शर्मा, अजीज खान, तौफीक खान, प्रमेन्द्र सिहाग, हेमंत सिहाग, रतन जांगिड़, असलम खान, शाहरूख खान, समीर खान आमू, तौफीक खान मिटकी, समीर सूका, हमीद रिसालदार शोयल मातवाण, शिवकुमार शर्मा, अज्जु लुहार, शाहिद खान सोनु, शब्बीर खान, सलीम पीए, अब्बास अगवान, बाली बाई, अमीन खां, शंकर चंदेलिया, रामेश्वर प्रसाद नायक, शंकर डाबला, जाफर खां, महबूब खां, विमल ओझा, वाहिद खान, शिवकुमार शर्मा, बजरंग बाजाड, आसिफ निर्वाण, प्रेम प्रकाश जानू, अब्दुल करीम, गुलाम दस्तगीर, आरिफ रिसालदार, सुलेमान मणीयार, फरियाद खां, अशोक पंवार, अभिषेक पंवार, राजेश चौधरी, रहमान खान, आबिद अली, समीर, अल्ताफ, हमीद खान, कासम सिसोदिया, नासीर हुसैन, सबीर खान, आमीन खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने किया तथा युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके एवं प्रदेश महासचिव हर्ष लाम्बा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सफर-ए-शहादत नू समर्पित महान गुरमत समागम का हुआ आयोजन

-श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मन से की सेवाएं

निशाना सतराना

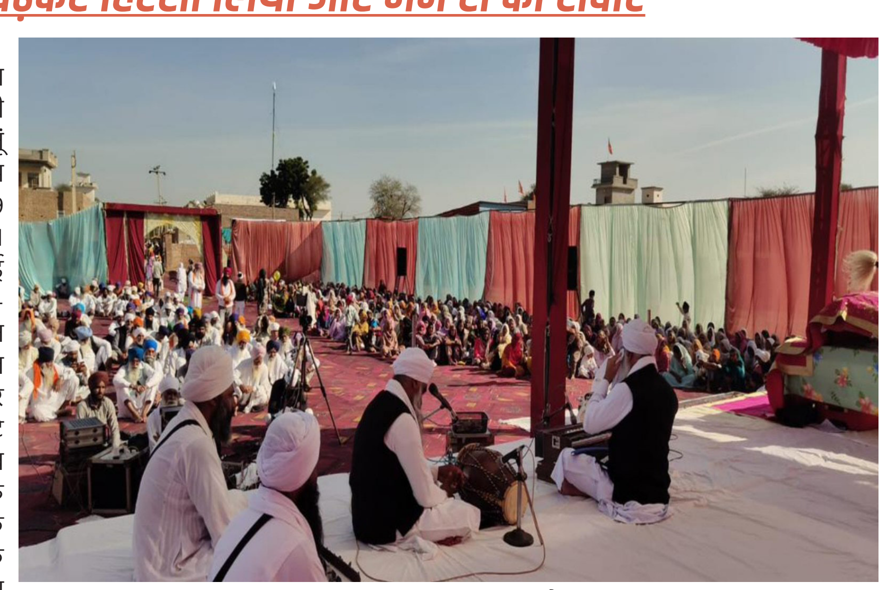

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना मंडी के निकटवर्ती गांव 9 एमडी सतराना में सफर-ए-शहादत नूं समर्पित महान गुरमत समागम वीरवार को गुरूद्वारा सिंघ सभा 9 एमडी सतराना में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 10 बजे हुई जिसमें इलाके के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और महान गुरमत समागम दिल से समर्पित होकर सेवा की। समाजसेवी गब्बर सिंह रामगढिय़ा ने कहा की छोटे साहबजादो की महान शहादत व मानवता और धर्म की खातिर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज व उनके समस्त परिवार की शहादत उनके बलिदान को समर्पित दो दिवसीय सफल समागम का आयोजन किया गया। परंपराओं और गुरु मर्यादा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्री गुरुद्वारा सिंह सभा, 9 एमडी सतराना मंडी के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरमत समागम का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 25 व 26 दिसंबर 2025 को आयोजित हुआ, जिसमें दूर-दराज़ से श्रद्धालु संगत पहुंचकर गुरु चरणों में नमन करेगी। समागम के दौरान सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विशेष दीवान सजाए जाएंगे, जिनमें प्रसिद्ध रागी जत्थों व संत-महापुरुषों द्वारा गुरबाणी कीर्तन, विचार एवं प्रवचन किए जाएंगे। आयोजन में धर्म, सेवा, त्याग और भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने बताया कि समागम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लंगर, बैठने, जल एवं अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजकों ने क्षेत्र की समस्त संगत से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन समागम को सफल बनाने की अपील की थी। समागम का सीधा प्रसारण SGPCSATRANA यूट्यूब चैनल पर लाइव किया जाएगा, जिससे देश-विदेश में बैठी संगत भी गुरु वाणी का लाभ उठा सकेगी। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करेगा, बल्कि समाज में आपसी एकता, सद्भाव और सेवा भावना को भी नई दिशा देगा। सफर-ए-शहादत नूं समर्पित महान गुरमत समागम में श्रीमती लाजवंती मेमोरियल हॉस्पिटल ब्लड सेंटर ने भाग लिया जिसमें रक्तदान के दौरान युवाओं और समाजसेवियों ने आगे बढ़कर रक्तदान किया। आपको बताए दे की रक्तदान शिविर में कुल 40 यूनिट रक्तदान इक्ट्ठा हुआ। ब्लड सेंटर की ओर से रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह प्रमाण पत्र न सिर्फ एक कागज़ है, बल्कि उस इंसानियत की पहचान है, जिसने किसी अनजान ज़िंदगी को बचाने में भूमिका निभाई। वहीं सफर-ए-शहादत नूं समर्पित महान गुरमत समागम में अस्थाई दुकानों पर श्रद्धालुओं द्वारा जमकर खरीदारी की अस्थाई दुकानों ने महान गुरमत समागम की रोनक को बढ़ा दिया।

सफर-ए-शहादत नूं समर्पित महान गुरमत समागम में माता रमा बाई मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल के मुख्य डॉक्टर मनीष पडिहार ओर डॉ. सुनील पडिहार ने परामर्श व मेडिसिन की निशुल्क सेवा दी श्रद्धालुओं ने उनकी सेवा को शानदार बताया। महान गुरमत समागम में मुख्य पंथ प्रसिद्ध प्रचारक भाई पंथ प्रीत सिंह जी खालसा ने श्रद्धालुओं को इतिहास में कुछ बलिदान ऐसे होते हैं,जो तलवार से नहीं आत्मा की ताकत से लड़े जाते हैं। आज हम आपको उस शहादत की कहानी सुनाने जा रहे हैं, जहाँ उम्र छोटी थी लेकिन हौसला आसमान से भी ऊँचा। यह कहानी है दसवें गुरु, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की। यह कहानी है उस परिवार की, जिसने धर्म, मानवता और न्याय की खातिर अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। उन्हें ज़िंदा दीवार में चुनवाने का हुक्म दिया गया। हर ईंट के साथ पूछा गया धर्म छोड़ोगे और हर ईंट के साथ जवाब गूंजा —सिख पैदा हुए हैं सिख ही मरेंगे।"

जीवन अनमोल, सड़कों पर लापरवाही से बचें

- सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के पखवाड़े का समापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक पखवाड़े तक चलाए गए जागरूकता अभियान गुरूवार को समापन हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा ने कहा कि जीवन अनमोल है, सड़कों पर जरा सी लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटनाएं गहरा आघात पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन व वाहन चालकों को रोचक व प्रभावी तरीके से सड़कों पर यातायात नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सड़कों पर सुरक्षित जीवन की सुरक्षात्मक कदम उठाए गए। जिला परिवहन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान हाइवे पर अवैध कट बंद करने, ब्लैक स्पॉट्स पर

सुरक्षात्मक उपाय करने व रिफ्लेक्टर लगाने सहित आमजन के बीच पहुंचकर उन्हें सड़क सुरक्षा के उपायों व नियमों की पालना का महत्व समझाया गया। साथ ही शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, तेज गति व गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन संचालन से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने तथा कम उम्र में ड्राइविंग नहीं करने के लिए आमजन को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे स्वयं व दूसरों के लिए जान लेवा भी है। कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता हुकमचन्द मीणा, आई-रेड के त्रिदेव, जनसम्पर्क विभाग के प्रतिनिधि प्रद्मन्न गौतम ने भी सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर विचार व्यक्त किए। इस दौरान अभियान में सहयोग करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। साथ ही सुशासन दिवस पर निष्ठा व ईमानदारी के साथ राजकार्य करने की शपथ ली गई। कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी, पुलिस, परिवहन व पीआरओ विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जटनंगला में महाराजा सूरजमल का मनाया 262 वां बलिदान दिवस समारोह

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। महाराजा सूरजमल का 262 वां बलिदान दिवस समारोह जटनंगला स्थित महाराजा सूरजमल स्कूल में मनाया गया। विद्यालय के छात्रों द्वारा इस अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गई एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम के संयोजक विजय सिंह डागुर ने बताया कि वक्ताओं द्वारा महाराजा के जीवन पर विचार व्यक्त किए गए उनका साम्राज्य सामाजिक समरसता से ओतप्रोत था वे सभी धर्म एवं वर्गों का सम्मान करते थे उनके राज्य में गोवध पर पाबंदी थी पीपल वृक्ष काटने पर पाबंदी थी उन्होंने पानीपत की लड़ाई में पराजित मराठाओं की सहायता कर उनका इलाज करवाया एवं सबको घर तक पहुंचाया उन्होंने

ब्रज में अनेकों मंदिरों का निर्माण कराया एवं हिंदू संस्कृति की रक्षा की उपस्थित सभी लोगों द्वारा महाराजा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये इस अवसर पर जाट समाज चौबीसा के पूर्व महामंत्री राम चरण लाल डांगुर, सूबेदार खेमचंद डांगुर, शेरपुर बहादुर सिंह डागुर, कामराज डांगुर, भरती पटेल शेरपुर, रामप्रकाश डागुर, उधम सिंह डांगुर, शिव सिंह डागुर, रारा साहपुर, दिनेश चंद्र जाटव, कमल सिंह जाटव, विनोद डागुर, साहब सिंह डागुर, दुर्गा सिंह डागुर, नरेश शर्मा, राकेश डागुर शेरपुर सहित अनेको उपस्थित लोगों ने महाराजा की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बारां: बार काउंसिल एसोसिएशन राजस्थान के पूर्व चेयरमैन एडवोकेट सैयद शाहिद हसन का किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका) । बार काउंसिल एसोसिएशन राजस्थान के पूर्व चेयरमैन सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन के बारां आगमन पर बुधवार को शहर के एक निजी मैरिज हॉल में उनका इस्तकबाल किया गया। इस्तकबालिया प्रोग्राम ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी की जानिब से रखा गया था। जिसमें शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता खलील खान गौरी, एडवोकेट जाकिर हुसैन, एडवोकेट आकिफ खान, एडवोकेट समीर खान, एडवोकेट ईशान राज खान सहित अन्य अधिवक्ताओं का भी माला पहनाकर बुके देकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन ने कानून की विभिन्न धाराओं ओर पहलुओं की जानकारी प्रदान की ओर उपस्थित लोगों से प्यार ओर भाईचारे के साथ जिंदगी गुजारने ओर कानून के प्रति सम्मान रखने की बात की। इस दौरान मोहतमिम

अब्दुल कय्यूम, अंजुमन सदर माजिद सलीम, अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, मोहम्मद अशफाक रुपया बीड़ी, हाजी वसीम अहमद, मौलाना अख्तर नदवी, जाकिर मंसूरी, एसडीपीआई जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, हाजी वहीद बर्तन वाले, अब्दुल अजीज अंसारी, एडवोकेट रईस हाशमी, एडवोकेट फिरोज खान, मास्टर शराफत खान, मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी, अब्दुल हक हक्का भाई, सईद अंसारी, जाकिर रंगरेज, गयासुद्दीन सप्पू भाई, हाजी इकबाल भाई, अब्दुल रशीद खान, शफकत अंसारी, शाहिद दुर्रानी, हाजी अब्दुल हसीब, इफ्तिखार अंसारी, सलामत अंसारी, अखलाक अंसारी, पार्षद जाकिर खान, इफ्तिखार अहमद बबलू, मोहम्मद अशफाक, अलीम मंसूरी, मुन्ना पठान, मौलाना सलमान सहित कई लोग उपस्थित रहे। प्रोग्राम का संचालन अब्दुल मतीन ने किया।

सुशासन दिवस के रूप में मनाया स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी का जन्मदिवस

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के 101वें जन्म दिवस पर सवाई माधोपुर में बजरिया मंडल स्थित जिला कार्यालय के सामने पौधारोपण किया गया। जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बजरिया मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा यह हरित अभियान पर्यावरण संरक्षण एवं सुशासन के संदेश को मजबूती देगा। मंडल प्रवक्ता ओम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ हुई इस गरिमामय अवसर पर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष बजरंग लाल जाट एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए स्वर्गीय अटल बिहारी जी के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि अटल जी के विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करते हुए यह पौधारोपण कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि जन सेवा और विकास के प्रति कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगा और हरित अभियान पर्यावरण संरक्षण और सुशासन के संदेश को मजबूती प्रदान करेगा इस अवसर पर पूर्व प्रधान मीरा सैनी,जिला उपाध्यक्ष लालचंद गौतम,महामंत्री जगदीश अग्रवाल, जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, महामंत्री केशव शर्मा, कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, कन्हैयालाल सैनी,हरचरण सिंह,शिवनारायण रेगर, सावित्री,लक्ष्मी शर्मा, शुभम भारद्वाज, हरिशंकर सवाल का,बनवारी बंसल, दीपक माहेश्वरी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिल्लत मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की बुकलेट का विमोचन

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । बुधवार 24 दिसम्बर 2025 को मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट की बुकलेट का विमोचन डॉक्टर विजय सरदाना, पूर्व प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज कोटा एवं क़ाजी-ए-शहर कोटा, जुबेर अहमद साहब के कर कमलो द्वारा किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया। ट्रस्ट के जनरल सेकेट्री हाजी हयात खान ने बताया की इस बुकलेट में ट्रस्ट के गठन, उद्देश्य,कार्यकलाप और आगामी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। समारोह में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉक्टर विजय सरदाना साहब ने ट्रस्ट द्वारा चैरिटेबल हॉस्पिटल बनाने की प्रशंसा की और बताया कि बढ़ती हुई आबादी के साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विशेष तौर पर चैरिटेबल हॉस्पिटल की आवश्यकता है। इस अस्पताल की सफलता की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का

आश्वासन दिया। क़ाजी शहर कोटा ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए इस तरह के हॉस्पिटल होने की जरूरत बताई और जनता से इस अस्पताल में सहयोग की अपील की। मौलाना सईद मुख्तार ने ट्रस्ट के जिम्मेदारों को इस नेक काम के लिए मुबारकबाद देते हुए कामयाबी की दुआएं पेश की। समारोह में अल बयान ग्रुप के डायरेक्टर डॉक्टर नईम फलाही, सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप के चैयरमेन हाजी गफ्फार मिर्ज़ा, छाया एजुकेशनल सोसाइटी के मोहम्मद इलियास, तौसीफ अहमद, झालरापाटन से हाजी मुमताज़ अली, दावते इस्लामी के अरशद अंसारी एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ ट्रस्ट के संरक्षक एवं ट्रस्टी उपस्थित रहे। अंत में ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील अहमद कुरैशी ने सभी उपस्थित अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों का धन्यवाद करते हुए बताया कि मिल्लत मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल समाज सेवा के अपने संकल्प के साथ रियायती दरो पर आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता रहेगा। समारोह का संचालन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन सलीम अब्बासी ने किया।

अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान एवं राष्ट्रहितैषी विचारों से देश बढ़ रहा आगे

चूरू/राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम में गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमियों ने शिरकत की। इस दौरान निवर्तमान जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, निर्वतमान बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, प्रो. दलीप पूनिया, अनूप सिंह, कौशल पूनिया, हजारीलाल सहारण सहित अन्य मंचस्थ रहे। इस मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि खेल जीवन को अनुशासन, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा का पाठ पढ़ाते हैं। उन्होंने पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को खेलों से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि जब मन और मस्तिष्क स्वस्थ होता है, तभी खेल और राष्ट्र दोनों मजबूत होते हैं।राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि आज देश चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान एवं राष्ट्रहितैषी विचारों से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाना, किसान सम्मान निधि, वन रैंक वन पेंशन, राम सेतु जल परियोजना, यमुना जल समझौता, खेल सुविधाओं का विस्तार और अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियां देश की मजबूत नीतियों का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें सशक्त किया गया है। भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी

से आगे बढ़ रहा है।पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि राष्ट्र के लिए कार्य करना ही उनका ध्येय है। उन्होंने कहा कि आज खिलाड़ी सरकार से सीधे संवाद कर पा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं खिलाड़ियों से बात कर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं। खेल बजट में वृद्धि से खिलाड़ियों को संबल मिला है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि खिलाड़ियों को संघर्ष न करना पड़े, बल्कि उन्हें पूरा सहयोग मिले। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि खेल के बिना जीवन अधूरा है। आज गांव और ढाणी से निकलकर खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों और खिलाड़ियों दोनों का समान रूप से ध्यान रख रही है, जिससे देश का सर्वांगीण विकास संभव हो रहा है। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को भरपूर अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि खेल में हार-जीत होती रहती है, लेकिन प्रयास और अनुशासन ही खिलाड़ी को आगे बढ़ाता है। समारोह में पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता नवदीप श्योराण, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मंजूबाला स्वामी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी अनूप सिंह, संदीप मान, निकिता सहित खिलाड़ियों ने भी खेलों के बारे में चर्चा की और निवर्तमान जिला प्रमुख वंदना आर्य, संतोष मेघवाल, प्रो. दलीप पूनिया, कोच आरडी सिंह, नंदलाल पूनिया, सुरेंद्र स्वामी, सुरेंद्र राठौड़, वासुदेव चावला, ओमप्रकाश खीचड़, संदीप काजला ने भी विचार व्यक्त किए।

वाजपेयी के जन्म जयंती पर सांसद कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित

-अटल विचारों को आत्मसात करने का आह्वान

बारां (रॉयल पत्रिका)। कोटा रोड स्थित सांसद कार्यालय पर भाजपा बारां शहर मंडल अध्यक्ष ओपी पारेता की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष नंदलाल सुमन, वरिष्ठ नेता एवं मुख्य वक्ता प्रेमनारायण सोनी, कार्यक्रम जिला संयोजक देवेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष जयेश गालव, मुकेश केरवालिया, प्रधान मोरपाल सुमन उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता वरिष्ठ नेता प्रेमनारायण सोनी ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन परिचय, उनकी राजनीतिक यात्रा, राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अटल जी के साथ बिताए गए अपने कई अविस्मरणीय संस्मरण कार्यकर्ताओं के साथ साझा करते हुए कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उनका व्यक्तित्व

प्रेरणास्रोत है, जिससे हमें सदैव जनकल्याण और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक महान राजनेता ही नहीं, बल्कि कवि, विचारक और संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी थे। उनके सिद्धांत, विचार और कार्यशैली आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए संगठन और समाज के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। भाजपा जिला प्रवक्ता एवं जिला मीडिया संयोजक सचिन सनाढ्य ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की अटल जी की जन्म जयंती पर आयोजित यह विचार गोष्ठी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करेगी तथा अटल विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी,कार्यक्रम के अंत में सभी भाजपाइयों ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया विचार गोष्ठी मे विक्की शर्मा,प्रकोष्ट संयोजक कैलाश शर्मा, जिला प्रवक्ता भानु प्रताप रहलाई आई टी संयोजक रीतिक सुमन कार्यालय मंत्री धीरेंद्र नागर,भाजपा के हरिराम गुर्जर, बद्री प्रसाद मेघवाल, हेमंत शर्मा, द्वारका प्रसाद प्रजापति, अनुराग सिंह मुंडली, विद्यारत्न जयंत, धनराज शर्मा, धर्मेंद्र भार्गव, निकलेश शर्मा, योगेश गोढ, सत्येंद्र गौतम, भवानी मेहरा, रितेश पंजाबी, डॉ महेश यादव, विजय पिपलानी, शिवराज महावर, ईश्वर नागर, मनीष धाकड़, मुकेश गौतम, हंसू गुर्जर, विजेंद्र नागर, मयंक तिवारी, रामावतार मीणा, रमेश मीणा, कुंदन सिंह, अंकित जोशी, वंश प्रताप, दीपक गुर्जर,अजय यादव, प्रबल प्रताप, नीरज विजय सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रतननगर में विकास रथ का किया स्वागत

-पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर, ईओ संजू खोड सहित जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चलाये जा रहे विकास रथ का गुरूवार को नगरपालिका रतननगर के खैल मैदान में पहुंचने पर नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर, अधिशाषी अधिकारी सुश्री संजू खोड सहित उपस्थित जनप्रतिनिधयों एवं आमजन ने रथ का माला पहनाकर स्वागत किया साथ ही रथ लेकर पहुंचने वाली टीम का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया। विकास रथ द्वारा उपस्थित जनों को वीडियों फिल्म के माध्यम से विकास कार्यो की जानकारी दी गई तथा साथ ही दो साल में हुए विकास कार्यो के साहित्य को भी वितरित कर आमजन तक योजनाओं की जानकारी दी गई। बढ़ता राजस्थान हमारा राजस्थान के तहत राजस्थान सरकार के दो साल नव उत्थान नई पहचान के अन्तर्गत रतननगर में पहुंचे रथ ने मुख्यमंत्री

द्वारा प्रदेश में किये गये विकास कार्यो की जानकारी देने के साथ ही रथ में रखी हुई सुझाव पेटिका के माध्यम से आमजनों से आगामी विकास कार्यो को लेकर सुझाव भी आमंत्रित किये गये। सुशासन की शपथ दिलाई पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरूवार को नगरपालिका में जयंती दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रृंद्धाजली अर्पित की गई तथा उपस्थित समस्त अधिकारीयों एवं कर्मचारियों को सुशासन शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर पार्षद ओमप्रकाश जांगिड़, विजय कुमार मिश्रा, नवनीत शर्मा, जब्बार खां, घीसाराम गुड़ेसर, तेजाराम चायल, मोहम्मद साबीर कुरैशी, सुफियान, बंटी गुर्जर, शंकरलाल गुर्जर, मुकेश कुमार, मनोहर सिंह, शंकरलाल पूनियां, किशनलाल उपाध्याय, श्यामसुन्दर शर्मा, विकास भाटिया, होमेन्द्र सिंह, बाबुलाल, पुरूषोतम लाल, अशोक कुमार, दुलीचंद, रमेश कुमार सहित गणमान्य जन उपस्थित रहें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर में दवा वितरण केंद्र का विधायक राजेंद्र मीणा ने किया लोकार्पण

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दौसा के मंडावर में महुआ विधायक राजेंद्र मीणा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा वितरण केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि वे आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और प्रभावी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करें। विधायक मीना ने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और अस्पताल की व्यवस्थाएं सुधरें। राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक में भाग लेते हुए, उन्होंने चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। CHC प्रभारी डॉ. नरसी राम मीणा और उपखंड स्तरीय अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद थे। विधायक मीना ने जोर दिया कि मरीजों को समय पर और उचित इलाज मिलना चाहिए, और अस्पताल में आवश्यक दवाएं और सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए । इस पहल से मंडावर के लोगों को फायदा होने की उम्मीद है। विधायक मीना ने आश्वासन दिया कि वे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए काम करते रहेंगे और आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे । इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने विधायक मीना के प्रयासों की सराहना की और उनके समर्थन का आश्वासन दिया।

परशुराम युवा मंच का 21वां स्थापना दिवस मनाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पिंजरापोल समिति गौशाला में परशुराम युवा मंच का 21वां स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें विप्र समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि वैदिक मंत्रोचार से पूजा अर्चना एवं आरती की गई एवं तत्पश्चात गौ माता को गुड़ खिलाया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बीकानेर जिला संगठन प्रभारी पद पर नियुक्त हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ओम सारस्वत का अभिनंदन भी किया गया कार्यक्रम में बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि परशुराम युवा मंच की स्थापना से लेकर यह संगठन निरंतर 21 वर्षों से अनवरत रूप से समाज सेवा में जुटा हुआ है। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। कार्यक्रम में परशुराम युवा मंच के अध्यक्ष संदीप पाटिल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए वरिष्ठ नेता ओम सारस्वत ने कहा कि गौ माता

की सेवा करना भारतीय परंपरा का हिस्सा है और भारतीय संस्कृति में गौ माता को सभी देवताओं का स्वरूप माना गया है। इस अवसर पर पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा वरिष्ठ नेता फतेह चंद सोती, विश्वनाथ राजगुरु डॉ. मनोज योगाचार्य योगेश गौड़, महेंद्र चौबे, जिला शिक्षा अधिकारी संतोष महर्षि, अति जिला शिक्षा अधिकारी बृजेंद्र दाधीच, सरपंच राकेश शर्मा, नरेंद्र काछवाल भास्कर शर्मा, सी पी शर्मा योगेश शर्मा सुधाकर सहल सुरेंद्र बावलिया बालकिशन बावलिया, उमा शंकर दाधीच, नित्यानंद कुदाल, बाबू पाटिल दीपिका शर्मा अनीता जोशी, दिनेश शर्मा, कुलदीप शर्मा पंडित जनार्दनाचार्य सुनील व्यास पंकज चोटिया सुशील लाटा, अंजनी शर्मा, गोकुल शर्मा, राकेश दाधीच, सुरेंद्र महर्षि, मुकेश महर्षि, राकेश ओझा, विमल जोशी, श्री राम पिपलवा, राजीव शर्मा, जेपी जाजड़ा, गुरदास भारती, महेश बावलिया, अभिषेक चोटिया, श्रवण शर्मासतीश शास्त्री, डॉ. कमल वशिष्ठ, विनय गौतम, सज्जन शर्मा, सुरेश सारस्वत, राजकुमार सारस्वत, हुकमी चंद गौड़, मंगतूराम चोटिया, महेश मिश्रा नवरत्न शर्मा, रवि शर्मा सहित अनेक विप्र समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अल्लू अर्जुन-त्रिविक्रम की ग्रैंड वापसी, माइथोलॉजिकल एपिक में फिर साथ आएगी हिट जोड़ी

हम बात कर रहे हैं एक ऐसी बड़ी खबर की, जिसने इंडस्ट्री में जबरदस्त हलचल मचा दी है। मजबूत इंडस्ट्री बज़ के मुताबिक आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और मशहूर फिल्ममेकर त्रिविक्रम श्रीनिवास एक बार फिर साथ आने वाले हैं। यह दोनों की चौथी फिल्म होगी और खास बात यह है कि यह प्रोजेक्ट एक भव्य माइथोलॉजिकल एपिक होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह महत्वाकांक्षी फिल्म अल्लू अर्जुन के लिए खास तौर पर लिखी गई एक दमदार स्क्रिप्ट पर आधारित है। जैसे ही इस प्रोजेक्ट की चर्चा सामने आई है, फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी इस जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम की जोड़ी का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है। दोनों ने साथ मिलकर कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी पिछली फिल्म आला बैकुंठपुर्रमूलू ने साउथ इंडिया में बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे और अपने समय की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हुई थी। इंडस्ट्री सूत्रों की मानें तो आने वाली यह फिल्म अब तक के सबसे बड़े स्तर पर बनाई जाएगी। इसका बजट 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी और महत्वाकांक्षी माइथोलॉजिकल फिल्मों में से एक बना देगा। कहा जा रहा है कि यह फिल्म दमदार कहानी, भव्य विजुअल्स और अत्याधुनिक तकनीक के साथ माइथोलॉजी जॉनर को नए स्तर पर ले जाएगी, वो भी पैन-इंडिया और ग्लोबल दर्शकों के लिए। इस मेगा प्रोजेक्ट का आधिकारिक ऐलान आने वाले हफ्तों में होने की उम्मीद है, जबकि फिल्म की शूटिंग फरवरी 2027 से शुरू होने वाली है। फिलहाल इस ऐतिहासिक कोलैबोरेशन को लेकर एक्साइटमेंट अपने चरम पर है और माना जा रहा है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा में नए बेंचमार्क सेट कर सकती है।

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे

की रोमांटिक कॉमेडी को फर्स्ट रिव्यू में 4 स्टार्स मिले

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मोस्ट अवेटेड रोमांटिक कॉमेडी 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के मौके पर बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। लंबे समय बाद यह जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी, जिसे लेकर फैंस में खासा क्रेज है इस रोमांटिक कॉमेडी का निर्देशन समीर विदवान्स ने किया है, जो इससे पहले सत्यप्रेम की कथा में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर चुके हैं. वहीं कार्तिक और अनन्या, पति पत्नी और वो के बाद एक बार फिर स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे. फिल्म में जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता, अरुणा ईरानी, टीकू तलसानिया और गौरव पांडे जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की एडवांस बुकिंग अभी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। ऐसे में दर्शकों के लिए फिल्म का पहला रिव्यू सामने आ गया है, जिसके बाद वे टिकट बुक करने का फैसला कर सकते हैं फिल्म क्रिटिक उमैर संधू ने फिल्म का फर्स्ट रिव्यू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर शेयर किया है. उन्होंने लिखा कि यह 2025 की एक क्लासी और एंटरटेनिंग रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे ने शानदार परफॉर्मेंस दी है।

इंजीनियरिंग छोड़ बना टीवी स्टार, अब बड़े पर्दे पर मचाएगा धमाल

बीवी के साथ लाता है सितारों की फौज

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जन्मा यह लड़का दिल्ली की गलियों में पला-बढ़ा। बचपन से पढ़ाई-लिखाई पर फोकस, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्यूनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री ली, लेकिन दिल कहीं और था। ग्लैमर की चकाचौंध से दूर रहते हुए भी मॉडलिंग ने उसे टीवी की दुनिया की ओर खींच लिया। छोटे-छोटे रोल से शुरुआत की, फिर ऐसे किरदार निभाए जो घर-घर में मशहूर हो गए। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, निजी जिंदगी में भी उसका सफर खास रहा। टीवी सेट पर मिली दोस्ती ने शादी का रूप लिया और फिर दोनों ने मिलकर प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की. आज यह जोड़ी नए-नए सितारों को मौका देती है। अब यह टीवी स्टार अपने करियर की सबसे बड़ी छलांग लगाने जा रहा है और बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। ये एक्टर और कोई नहीं बल्कि टीवी इंडस्ट्री के टॉप स्टार रवि दुबे हैं, जो अब बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार हैं, जहां वे रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका निभाएंगे. नीतेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस दो-भाग वाली महाकाव्य फिल्म में रवि दुबे का यह डेब्यू उनके करियर का सबसे बड़ा लीप माना जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सनी देओल हनुमान बनेंगे, रिपोर्ट्स के मुताबिक, रवि दुबे को इस भूमिका के लिए 2-4 करोड़ रुपये प्रति भाग मिलेंगे। रवि ने खुद कहा है कि लक्ष्मण का किरदार निभाना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है, जो अभिनय से ज्यादा एक दिव्य विरासत की तरह लगता है। फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

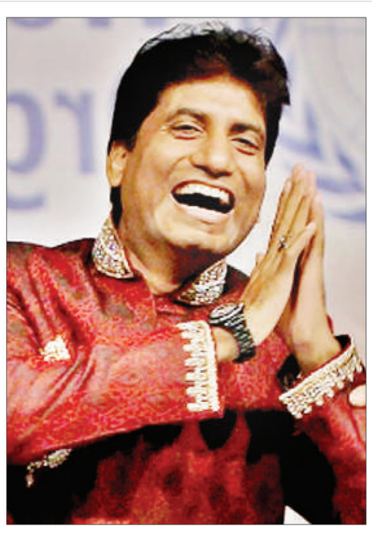

कभी ऑटो चलाते थे ये कॉमेडियन, फिर एक शो से बदली किस्मत और बन गए कॉमेडी स्टार

फिल्म इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे रहे हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग और अपनी कॉमेडी से ऑडियंस को खूब एंटरटेन किया है। अपनी पहचान बनाने के लिए इन सितारों ने कड़ी मेहनत की है और इसके बाद अपने टैलेंट से ऑडियंस के दिलों में जगह बनाई और इंडस्ट्री में छा गए। आज हम एक ऐसे ही सितारे की बात करने जा रहे हैं जिन्होंने अपने स्ट्रग्लिंग दिनों में ऑटो तक चलाया है। आज भले ही वो हमारे बीच इस दुनिया में ना हों, लेकिन उनकी यादें फैंस के दिलों में आज भी जिंदा हैं। कानपुर के मिडिल क्लास परिवार में जन्में राजू श्रीवास्तव का नाम देश के बड़े कॉमेडियन में शामिल था। शुरुआती दिनों में कॉमेडियन को खूब पापड़ बेलने पड़े थे। स्टेज पर अमिताभ बच्चन की मिमिक्री करके राजू श्रीवास्तव फेमस हुए थे। इसके बाद वो अपना सपना पूरा करने के लिए कानपुर से मुंबई आ गए। राजू श्रीवास्तव के लिए कुछ आसान नहीं था। यहां आकर उन्हें इतनी स्ट्रगल करनी पड़ी कि खर्च चलाने के लिए उन्हें ऑटो तक चलाना पड़ा था।

'राजा' बने कपिल शर्मा ने लूटी महफिल, इशारों में देश में धर्म, बेरोजगारी और महंगाई पर कसा तंज

कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का चौथा सीजन शुरू हो गया है। आप इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। इस शो का पहला एपिसोड भी आ चुका है, जिसमें कपिल को एक एक्ट के दौरान राजा के अवतार में देखा गया। उनका मोनोलॉग खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो देश को लेकर बात कर रहे हैं।कॉमेडियन कपिल शर्मा एक बार फिर आपके सामने हाजिर हैं। अपने नेटफ्लिक्स के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए सीजन के साथ। चौथे सीजन में कपिल चार-चार अवतार में नजर आ रहे हैं। उनके पहले एपिसोड के कुछ क्लिप वायरल हो रहे हैं, जिसमें वो राजा के अवतार में हैं और देश की पोल खोल रहे हैं। बहुत सारे लोग इस एक्ट के लिए उनकी तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि कपिल इशारों-इशारों में देश में जो हो रहा है, उस पर तंज कस रहे हैं।

मिर्जापुरः द फिल्म की शूटिंग जोरों पर

अली फजल

ने राजस्थान को कहा 'दिल से शुक्रिया'

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिर्जापुर' ने पहले सीजन से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यही वजह है कि दर्शकों ने इसके सारे सीजन को दिल से प्यार दिया है। जल्द ही 'मिर्जापुरः द फिल्म' दर्शकों के सामने दस्तक देगी। इसकी शूटिंग राजस्थान में चल रही है। अभिनेता अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने किरदार गुड्डू भैया के किरदार में चलते नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'मिर्जापुरः द फिल्म' की शूटिंग इस समय जारी है और राजस्थान का शेड्यूल चल रहा है। खास तौर पर जैसलमेर और जोधपुर के लोगों का दिल से धन्यवाद। आपने हमें बहुत प्यार और अपनापन दिया। साथ ही परिवार जैसा समझा। उन्होंने आगे लिखा, 'उन सभी होटलों का भी धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया जब हम अपने घर से दूर मेहनत कर रहे थे। खम्मा घणी। 'पोस्ट देखकर फैंस के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई। वे अब इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज के पहले सीजन ने फैंस को दीवाना बना दिया था। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु) जैसे किरदारों ने फैंस के दिलों में खास पहचान बनाई थी, जो आज भी उस तरह बरकरार है। बताया जा रहा है कि 'मिर्जापुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे।

'धुरंधर' की सफलता के बाद अक्षय खन्ना ने छोड़ी 'दृश्यम 3'

बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना आजकल अपनी हालिया फिल्म धुरंधर की सफलता का आनंद ले रहे हैं। कराची के गैंगस्टर रहमान डकैत के रूप में उनके किरदार ने सबका ध्यान खींचा और ऑनलाइन खूब चर्चा हुई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना आजकल अपनी हालिया फिल्म धुरंधर की सफलता का आनंद ले रहे हैं। कराची के गैंगस्टर रहमान डकैत के रूप में उनके किरदार ने सबका ध्यान खींचा और ऑनलाइन खूब चर्चा हुई। हालांकि, अब खबर आई है कि उन्होंने अजय देवगन की दृश्यम 3 से दूरी बना ली है। X (पहले ट्विटर) पेज बॉलीवुड मशीन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्षय खन्ना ने मेकर्स के साथ पैसों और क्रिएटिव मतभेदों के कारण इस प्रोजेक्ट से बाहर होने का फैसला किया है।

रश्मिका मंदाना

स्टारर मायसा का पहला ग्लिम्प्स हुआ रिलीज़

साल की सबसे इंटेंस झलक ने मचाया तहलका

मायसा भारत की पहली ऐसी पैन-इंडिया फिल्म है, जिसकी अगुवाई एक महिला स्टार कर रही है। जबरदस्त एक्शन और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म में रश्मिका मंदाना नजर आएंगी, जो पुष्पा, एनिमल और द गर्लफ्रेंड जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद एक बार फिर जबरदस्त अंदाज में दर्शकों के सामने आ रही हैं! मायसा, जिसमें रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं, अपनी शुरुआती झलकियों के सामने आने के बाद से ही हर तरफ चर्चा में बनी हुई है। धीरे-धीरे फिल्म को लेकर उत्सुकता इतनी बढ़ गई कि यह साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई। अब इस पूरे क्रेज के बीच फिल्म की पहली झलक आखिरकार सामने आ चुकी है और यह बिना किसी शक के इस साल की सबसे इंटेंस फर्स्ट ग्लिम्प्स में से एक मानी जा रही है। इस झलक में रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे खतरनाक और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। मायसा इस साल के सबसे रोमांचक सिनेमाई अनुभवों में से एक बनती नजर आ रही है। लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार फिल्म की पहली झलक सामने आ चुकी है, जो पूरी तरह से इलेक्ट्रिफाइंग है। दमदार ओपनिंग नैरेशन के साथ रश्मिका को मायसा के रूप में पेश किया गया है, वहीं जलते हुए जंगल के दृश्य और उसके साथ चलता जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर मिलकर एक बेहद तीव्र और प्रभावशाली माहौल रचते हैं। फिल्म का ङ्खरूइस झलक को और भी ताकतवर बना देता है और सच में रौंगटे खड़े कर देने वाला है। यह रश्मिका के गुस्से, जुनून और उनकी तीखी मौजूदगी को पूरी तरह से सपोर्ट करता है। क्रिटिक्स और दर्शक दोनों ही इस फर्स्ट ग्लिम्प्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रश्मिका मंदाना को इतने दमदार और इंटेंस किरदार में देखना वाकई हैरान करने वाला और यादगार अनुभव साबित हो रहा है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन इमोशनल एक्शन थ्रिलर होने का वादा करती है, जो दर्शकों को गोंड जनजाति की सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आकर्षक दुनिया में गहराई तक ले जाएगी। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एक बिल्कुल नए और बदले हुए अवतार में नजर आएंगी, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया।रश्मिका फिल्म में एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें जबरदस्त तीखापन, गुस्सा और गहरी भावनात्मक ताकत देखने को मिलेगी। उनका यह किरदार न सिर्फ दमदार है, बल्कि भावनाओं से भरपूर भी है, जो दर्शकों पर गहरा असर छोड़ने वाला है।मायसा की पहली झलक में रश्मिका मंदाना पूरी तरह छाई हुई नजर आ रही हैं। उनकी स्क्रीन प्रेज़ेंस बेहद मजबूत है और ऐसा लग रहा है कि वह एक बार फिर यादगार परफॉर्मेंस देने जा रही हैं। पुष्पा, एनिमल, छावा, कुबेरा और थामा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद रश्मिका का यह नया अवतार दर्शकों के लिए खास होने वाला है। हाल ही में रिलीज़ हुई उनकी फिल्म द गर्लफ्रेंड भी ह्ल्ल्रञ्ज पर सफल साबित हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि इस वक्त रश्मिका मंदाना देश की सबसे बड़ी पैन-इंडियन फीमेल स्टार बन चुकी हैं। मायसा की पहली झलक पाने के आठ नेटीजन्स ने अपना जबरदस्त रिस्पॉन्स दिया हैः एक यूज़र ने लिखा, 'मायसा के रूप में रश्मिका पूरी तरह WILDFIRE हैं स्क्रीन उनकी इस तीव्रता को संभाल नहीं पा रही! 'एक अन्य ने कहा, 'रश्मिका ने इस किरदार पर पूरी तरह कब्जा कर लिया! ' एक फैन ने उन्हें पावरहाउस बताते हुए लिखा,'Pan-India नंबर 1 हीरोइन,

एक MONSTER किरदार देती हुई – रश्मिका की मायसा 'किसी ने इसे यूं समेटा, 'मायसा के रूप में रश्मिका अविश्वसनीय हैं! ' एक कमेंट आया, 'जैसे ही मायसा एंट्री लेती है... रोंगटे खड़े होना तय!!! ' उनके ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ करते हुए एक यूज़र ने कहा, 'रश्मिका ने मायसा को निभाया नहीं, वो मायसा बन गई पूरी तरह मास एनर्जी! ' उन्हें सच्चा स्टार बताते हुए एक फैन ने लिखा, 'फियरस क्वीन रश्मिका! 'एक और भविष्यवाणी आई, 'मायसा, रश्मिका मंदाना के सबसे आइकॉनिक अवतारों में से एक बनकर याद की जाएगी 'इसी भावना को दोहराते हुए एक नेटिजन ने कहा, 'मायसा के रूप में रश्मिका = MASS CINEMA 'मायसा को अनफॉर्मूला फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और इसका निर्देशन रवींद्र पुल्ले ने किया है। यह एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जिसकी कहानी आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि में सेट है। दमदार विजुअल्स, मजबूत कहानी और रश्मिका मंदाना की एक यादगार परफॉर्मेंस का वादा करती है।

(साभार एजेंसी)

मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों के समर्थन में खड़ा रहूंगा: बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद इंग्लैंड क्रिकेट टीम मैदान पर लगातार निराशाजनक प्रदर्शन की वजह से आलोचना का सामना तो कर ही रही है, दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच कुछ खिलाड़ियों के ज्यादा शराब पीने की वजह से भी विवादों में है। विवादों के बीच इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अपनी टीम के समर्थन में आए हैं। मेलबर्न टेस्ट से पहले बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं इस पल को अभी कैसे संभालता हूं, यह मेरे लिए सबसे जरूरी है। वहां मौजूद सभी लोगों और शायद कुछ खास लोगों की भलाई मेरे लिए अभी इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर सबसे जरूरी है। इस तरह की चीजें, मुझे नहीं पता कि मेरे करीब सही शब्द हैं या नहीं, लेकिन कुछ ऐसा है जिसका मुझे खुद अनुभव है कि यह लोगों पर कैसे असर डाल सकता है। इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा काम अपने खिलाड़ियों को जितना हो सके उतना बचाना है।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर मेरा मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें पता चले कि उन्हें मेरा समर्थन है क्योंकि मेरे लिए सबसे जरूरी चीज, अभी यहां बैठे हुए, खिलाड़ियों का एक ग्रुप है जिन्हें मैं इस देश और इस ट्रिप के बाकी हिस्से के लिए बाहर जाकर परफॉर्म करने की कोशिश करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में ला सकूं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई थी। इसे 'स्टैग डू' के नाम से प्रचारित किया गया है। इसमें कुछ खिलाड़ी शराब पीते हुए दिखे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अभी इंग्लिश टीम के शराब पीने के कल्चर के दावों की जांच कर रहा है, जब बेन डकेट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे नशे में दिख रहे थे। इंग्लैंड क्रिकेट टीम एशेज 2025-26 के शुरुआती तीन टेस्ट गंवाकर सीरीज हार चुकी है। इंग्लैंड के खेलने के तरीके पर सभी सवाल उठे हैं। इंग्लैंड के कप्तान का अगला लक्ष्य सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना है।

जोफ्रा आर्चर एशेज से बाहर, मेलबर्न टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित

मेलबर्न, एजेंसी । एशेज सीरीज हार चुकी इंग्लैंड को सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से पहले बड़ा झटका लगा है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में गस एटकिंसन को जगह दी गई है। मेलबर्न में 26 दिसंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। जोफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज के बाकी दोनों टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। जोफ्रा ने एडिलेड में गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी की थी और पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। उनका बाहर होना निश्चित तौर पर इंग्लैंड की मुश्किलों को और बढ़ाने वाला है। मेलबर्न टेस्ट के लिए गस एटकिंसन की इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में वापसी हो गई है।

खेल पेशेवरों के लिए नई इंटर्नशिप नीति लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नई नीति के तहत, युवा मामले और खेल मंत्रालय और इसके प्रमुख संस्थानों में सालाना 452 इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को खेल ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए संरचित, बड़े पैमाने का मंच बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक इंटर्नशिप नीति लॉन्च की। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा, 'भारत के खेल ईकोसिस्टम में बदलाव के लिए कुशल पेशेवरों और युवा प्रतिभाओं की ओर से समर्थित मजबूत संस्थागत समर्थन की जरूरत है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिए हम युवाओं के लिए खेल शासन और प्रशासन के द्वार खोल रहे हैं, जिससे वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें और खेलों के जरिए राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकें। 'डॉ. मांडविया के अनुसार, यह कार्यक्रम पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोगों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है। भारत अपने स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहा है, गवर्नेंस सुधारों को मजबूत कर रहा है और खेल की दुनिया में अपनी पहचान बढ़ा रहा है।

यह पहल युवाओं को भारत की खेल यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल नीति और खेलो भारत नीति 2025 के उद्देश्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जिसमें युवा सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण और खेल प्रशासन के व्यवसायीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति भारत के उस दूरगामी दृष्टिकोण का समर्थन करती है.

बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने रचा इतिहास

लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज भारतीय शतक लगाया

रांची, एजेंसी। रांची के जेएससीए ओवल ग्राउंड में विजय हजारे ट्रॉफी के अंतर्गत बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बीच मुकाबले में बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गनी ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सकिबुल गनी ने मात्र 32 गेंद पर शतक लगाया। लिस्ट ए क्रिकेट का ये सबसे तेज भारतीय शतक है। सकिबुल गनी ने 40 गेंदों पर 12 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 128 रन की पारी खेली। ईशान किशन ने भी बुधवार को कर्नाटक के खिलाफ 33 गेंद पर शतक लगाया। किशन ने 39 गेंद पर 14 छक्कों से सजी 125 रन की पारी खेली।

लिस्ट ए क्रिकेट में अनमोलप्रीत सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 21 दिसंबर 2024 को 35 गेंद में शतक लगाया था। वैभव सूर्यवंशी ने इसी मैच में 36 गेंद पर शतक लगाया है। युसूफ पठान ने 2010 में महाराष्ट्र के खिलाफ 10 गेंदों पर शतक लगाया है।

बिहार ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 6 विकेट पर 574 रन बनाए। कप्तान सकिबुल गनी के अलावा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए आयुष लोहारुका ने भी शतक लगाया। पारी की शुरुआत करने आए वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 84 गेंदों पर 15 छक्के और 16 चौकों की मदद से 190 रन की पारी खेली। वैभव के पास दोहरा शतक लगाने का पूरा मौका था, लेकिन वह 27वें ओवर की चौथी गेंद पर आउट हो गए। वहीं आयुष ने 56 गेंदों पर 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 116 रन बनाए। इसके अलावा पीयूष सिंह ने 66 गेंदों पर 77 और मंगल महरोर ने 43 गेंदों पर 33 रन बनाए। लिस्ट ए क्रिकेट में पूर्व का सबसे बड़ा स्कोर तमिलनाडु के नाम था। तमिलनाडु ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ ही 2022 में 2 विकेट पर 506 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड है। नीदरलैंड के खिलाफ 2022 में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 498 रन बनाए थे। सरे ने ग्लौक्स के खिलाफ 2007 में 4 विकेट पर 496 रन बनाए थे।

लिस्ट ए में अब सरे चौथे नंबर पर चली गई है। इंग्लैंड पांचवें नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 2018 में 6 विकेट पर 481 रन बनाए थे।

भारत-न्यूजीलैंड:

भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, केन विलियमसन को आराम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। ब्लैककैप्स इस बार तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेलने भारत आएंगे। हालांकि टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, क्योंकि स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन इस सीरीज में आराम पर रहेंगे। इसके साथ ही टीम में चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल कर न्यूजीलैंड ने युवा प्रतिभाओं को मौका दिया है, जो इस दौरे को और रोमांचक बनाने वाले हैं।

न्यूजीलैंड ने अनकैप्ड लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर जेडन लेनॉक्स को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। इसके अलावा क्रिस्टियन क्लार्क, आदी अशोक, जोश क्लार्कसन और निक केली को भी वनडे स्क्वॉड में जगह दी गई है। हाल ही में टेस्ट डेब्यू करने वाले माइकल रे को भी टीम में शामिल किया गया है।

केन विलियमसन क्यों नहीं हैं टीम में

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ इस व्हाइट-बॉल सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दरअसल, वह स20 लीग में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण उपलब्ध नहीं हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने स्पष्ट किया कि विलियमसन वनडे चयन के लिए अनुपलब्ध रहे।

कोच रॉब वॉल्टर ने क्या कहा

हेड कोच रॉब वॉल्टर ने जेडन लेनॉक्स को लेकर कहा कि टीम मैनेजमेंट काफी समय से उन पर नजर रखे हुए था। उन्होंने घरेलू व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूज़ीलैंड 'ए' टीम के लिए भी अहम अनुभव हासिल किया है। वॉल्टर के मुताबिक, लेनॉक्स में ब्लैककैप्स के लिए नियमित प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है।

अन्य अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

चोट के चलते नाथन स्मिथ (साइड स्ट्रेन), ब्लेयर टिकनर (कंधा) और मार्क चैपमैन (टखना) को वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, मार्क चैपमैन के टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं, बेन सियर्स भी अभी रिकवरी में हैं, जिस वजह से उन्हें वनडे स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की वनडे टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदी अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम—

पहला वनडेः 11 जनवरी 2026
दूसरा वनडेः 14 जनवरी 2026
तीसरा वनडेः 17 जनवरी 2026

वनडे के बाद टी20 सीरीज—

पहला टी20: 20 जनवरी 2026
दूसरा टी20: 22 जनवरी 2026
तीसरा टी20: 24 जनवरी 2026
चौथा टी20: 26 जनवरी 2026
पांचवां टी20: 28 जनवरी 2026

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप:

रमिता-हिमांशु का शानदार प्रदर्शन

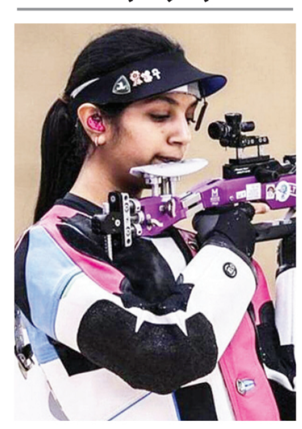

भोपाल, एजेंसी। रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की रमिता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से हराकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ही ढिल्लों का दबदबा कायम रहा, जिन्होंने सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड बनाया था। दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 की जीत के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोहित-कोहली के बाद अब शुभमन गिल भी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल 2025-26 सीजन के बाकी हिस्से में घरेलू क्रिकेट में व्यस्त नजर आएंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम से बाहर किए जाने और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का बड़ा हिस्सा मिस करने के बाद गिल को पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 टीम में शामिल किया गया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी 2025-26 के शेष दो मुकाबले भी खेलेंगे।

विजय हजारे के दो मैच, फिर रणजी में वापसी

एक रिपोर्ट के अनुसार, गिल अगले साल विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैच खेलेंगे–3 जनवरी को सिक्किम और 6 जनवरी को गोवा के खिलाफ, दोनों मुकाबले जयपुर में होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। वहीं, जब भारत टी20द्व सीरीज खेलेगा, तब गिल पंजाब के लिए सफेद जर्सी में रणजी ट्रॉफी के ग्रुप मैच खेलते दिखेंगे। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फिर से आगाज 22 जनवरी से होगा, जब पंजाब ग्रुप-बी में राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में सौराष्ट्र से भिड़ेगा। इसके बाद 29 जनवरी से मल्लनपुर में कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला होगा। फिलहाल पंजाब 5 मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है और सिर्फ एक जीत दर्ज कर सका है। अगर टीम अपने बचे दोनों मैच जीतती है, तो क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनी रह सकती है। नॉकआउट चरण 6 फरवरी से शुरू होना है–ऐसे में गिल का टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी रणजी खेलना संभव है। टेस्ट में 2025 के टॉप रन-स्कोरर बनने की दहलीज पर गिल

शुभमन गिल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की ओर बढ़ रहे हैं। 9 टेस्ट में उन्होंने 70.21 की औसत से 983 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और एक अर्धशतक शामिल है। कप्तान के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन खास रहा। हालांकि बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद जो रूट, ट्रैविस हेड, एलेक्स केरी, हैरी ब्रूक और बेन डकेट उनके आंकड़े के करीब पहुंच सकते हैं, लेकिन फिलहाल बढ़त गिल के पास है।.

वैभव सूर्यवंशी का 36 गेंद पर शतक

विजय हजारे ट्रॉफी में 14 साल के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 कमाल का साबित हो रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म था जहां उनका शतक आना बाकी था इस साल। अब यह भी 14 साल के बल्लेबाज ने कर दिखाया है। बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहले मुकाबले में 36 गेंद पर शतक ठोक दिया। यह लिस्ट ए में किसी भी भारतीय का दूसरा सबसे तेज शतक है। वैभव ने 84 गेंद पर 190 रन बनाए जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। ओवरऑल लिस्ट ए में सबसे तेज शतक लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी शाहिद अफरीदी से आगे निकल गए हैं। इस लिस्ट में दिग्गज एबी डिविलियर्स दूसरे स्थान पर हैं और टॉप पर हैं ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क जिन्होंने 29 गेंद पर लिस्ट ए में अब तक का सबसे तेज शतक ठोका था। वैभव लिस्ट ए में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने जिन्होंने 14 साल 272 दिन की उम्र में यह कारनामा किया।

वैभव सूर्यवंशी के लिए लाजवाब 2025

14 साल के भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए साल 2025 किसी सपने से कम नहीं रहा है। आईपीएल में पहला एक्सपोजर मिला वहां उन्होंने आतिशी शतक ठोक सुर्खियां बटोरीं। उसके बाद यूथ वनडे, यूथ टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और इस दौरे पर भी शतक ठोका। फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यूथ सीरीज में शतक लगाया। इंडिया ए के लिए एशिया कप में शतक ठोका, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शतक लगाया उसके बाद अंडर 19 एशिया कप में भी उन्होंने शतक लगाया, उसके बाद अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ यह पारी खेलते हुए अपना नाम खास रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल कर लिया।

सूर्यकुमार यादव के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं न्यूजीलैंड सीरीज, बयानों से नहीं बल्ले से देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। यह वह लाइन है, जिस पर सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से बार-बार भरोसा जताते रहे हैं.

मानो इसे ज़ोर से कहने से उनके पैरों के नीचे की ज़मीन स्थिर हो जाएगी. उन्होंने पहली बार यह बात सितंबर में एशिया कप की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी, जब बातचीत का रुख पहले ही बदलने लगा था. इसके बाद उन्होंने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद भी यही दोहराया. हर बार संदेश एक जैसा और थोड़ी राहत देने वाला था. मेहनत सही है, इरादा नहीं बदला है और रन अपने समय पर आ जाएंगे.

पहले सूर्या ने कहा, 'मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहा हूं. जो मेरे नियंत्रण में है, वह सब कर रहा हूं.' फिर उन्होंने कहा, 'जब रन आने होंगे, तो ज़रूर आएंगे. मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे हैं.' आखिरकार रविवार को उनका लहजा और तीखा हो गया. जब उन्होंने कहा, 'मेरे 14 सैनिक फिलहाल मुझे कवर कर रहे हैं. उन्हें पता है, जिस दिन मैं फट पड़ा, क्या होगा.'

स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत अभियान का समर्थन करना अत्यंत आवश्यकः मुर्मू

नई दिल्ली,(भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करके, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देकर भारत सरकार के महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन देने की भी तत्काल आवश्यकता है। राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने अधिकारियों से नए कौशल सीखने और कृत्रिम मेधा आधारित वित्तीय विश्लेषण जैसे टूल्स का उपयोग करने का आग्रह किया, ताकि साक्ष्य-आधारित निर्णय लिए जा सकें और निधियों का कुशल उपयोग सुनिश्चित हो।राष्ट्रपति ने कहा, युवा अधिकारियों के रूप में आप में से कई को अपने करियर की शुरुआत में ही बड़े और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर काम करना होगा। यह एक सम्मान भी है और बड़ी जिम्मेदारी भी। आपसे ईमानदारी के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही हर निर्णय का मार्गदर्शन करनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा, यह याद रखें कि विश्वास लोक सेवा की नींव है और इसकी रक्षा अटूट प्रतिबद्धता के साथ की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलता भू-राजनीतिक वातावरण और उभरती सुरक्षा चुनौतियां त्वरित, अधिक कुशल और सटीक निर्णय लेने की मांग करती हैं। इस संदर्भ में, रक्षा लेखा विभाग को निरंतर अनुकूलन, नवाचार और आधुनिकीकरण करना चाहिए। उन्होंने कहा, स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करके, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देकर भारत सरकार के महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन देने की भी तत्काल आवश्यकता है। भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी भी एक आत्मनिर्भर और मज़बूत रक्षा पारिस्थितिकी-तंत्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

शाह ने बाहुबली रॉकेट के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई दी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सबसे भारी रॉकेट एलवीएम3-एम6 द्वारा एक अमेरिकी संचार उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए जाने पर बधाई देते हुए बुधवार को कहा कि यह भारत के वैज्ञानिकों की क्षमता को दर्शाता है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एक ऐतिहासिक मिशन के तहत एलवीएम-3 एम-6 ने 6,100 किलोग्राम वजनी अमेरिकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को उसकी निर्धारित कक्षा में बुधवार को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन का उद्देश्य उपग्रह के जरिए सीधे मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। यह नेटवर्क कहीं भी, कभी भी, सभी के लिए 4जी और 5जी वॉयस-वीडियो कॉल, संदेश, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

एलवीएम3-एम6 रॉकेट से सफल प्रक्षेपण से गगनयान कार्यक्रम को लेकर आत्मविश्वास बढ़ाः इसरो प्रमुख

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश),(भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि एलवीएम3-एम6 रॉकेट के जरिए ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को लेकर आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। उन्होंने एलवीएम3 रॉकेट की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया, जिसका उपयोग महत्वाकांक्षी गगनयान कार्यक्रम में किया जाएगा। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए है। मीडिया से बात करते हुए नारायणन ने कहा, आज हमारे लिए यह एक बहुत महत्वपूर्ण मिशन है। क्योंकि आप सभी जानते हैं कि यही वह प्रक्षेपण यान है जिसे मानव अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया गया है और भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इसलिए, एलवीएम3 के लगातार नौ सफल प्रक्षेपणों के बाद गगनयान कार्यक्रम को लेकर हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। यह एक अनिवार्य आवश्यकता भी है। एलवीएम3ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि ब्लूबर्ड-ब्लॉक-2 उपग्रह को निर्धारित कक्षा में अत्यंत सटीकता के साथ स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की धरती से ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा, आज

» यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए है

का प्रक्षेपण भी काफी महत्वपूर्ण है। यह भारतीय धरती से प्रक्षेपित किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। आज यह उपलब्धि हासिल की गई है। लगभग 6,000 किलोग्राम सटीक रूप से कहें तो 5,908 किलोग्राम वाला यह सबसे भारी उपग्रह है, जिसे भारतीय धरती से प्रक्षेपित किया गया है, और हमने इस मिशन में सफलता हासिल की है। प्रक्षेपण की सटीकता को रेखांकित करते हुए, अंतरिक्ष विभाग के सचिव रहे नारायणन ने कहा, हमने 520 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा को लक्ष्य बनाया था। हमने उपग्रह को 518.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया है, जो लक्ष्य से 1.5 किलोमीटर इधर-उधर है। उन्होंने आगे कहा, यह दुनिया में कहीं भी किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रक्षेपणों में से एक है। और यह भारतीय प्रक्षेपण यानों द्वारा अब तक हासिल की गई सबसे बेहतरीन सटीकता भी है। नारायणन ने कहा कि बुधवार के मिशन में, एलवीएम3 रॉकेट के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और इसकी पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए इसरो ने एक तकनीकी सुधार किए थे।

एलवीएम-3 मिशन की सफलता पर देश को गर्व : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम-6 द्वारा एक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए जाने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता उन लोगों द्वारा रखी गई दूरदर्शी नींव पर खड़ी है, जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को राष्ट्र-निर्माण के स्तंभ के रूप में बनाया। क्रिसमस से पहले एक ऐतिहासिक मिशन के तहत इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम-6 ने एक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में बुधवार को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इसरो ने बताया कि प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम-6 ने ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।खरगे ने एक्स पर पोस्सट किया, इस ऐतिहासिक मिशन के लिए इसरो को बहुत-बहुत बधाई। सफल एलवीएम-3 मिशन पर वैज्ञानिक, इंजीनियर, अंतरिक्ष शोधकर्ता और इस मिशन में शामिल सभी लोगों पर पूरे देश को गर्व है। इस मिशन ने दो उत्कृष्ट मील के पत्थर हासिल किए। पहला यह कि पृथ्वी की निचली कक्षा में सबसे बड़े वाणिज्यिक संचार उपग्रह स्थापित हुआ और दूसरा यह कि भारतीय धरती से अब तक के सबसे भारी पेलोड (6,100 किलोग्राम) का प्रक्षेपण किया गया।

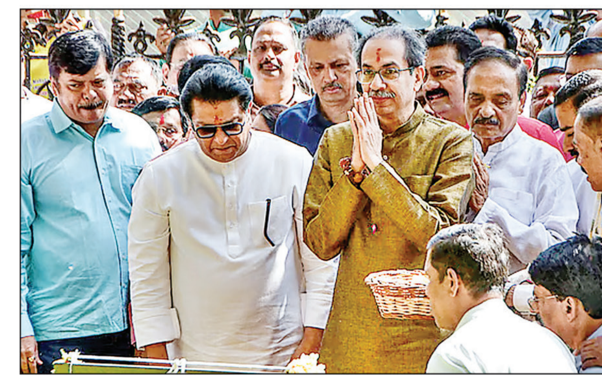

मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना (उबाठा), मनसे ने गठबंधन की घोषणा की

मुंबई, (भाषा)। महीनों से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के चुनाव से पहले बुधवार को अपनी पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की। राज ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि दो दल साथ रहने के लिए एकसाथ आए हैं। दोनों ने कहा कि वे मराठी मानुष और महाराष्ट्र के हित के लिए एकजुट हुए हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों चचेरे भाई हैं। उद्धव ने कहा कि उनके दादा प्रबोधनकर ठाकरे एक समाज सुधारक और लेखक थे। वह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे तथा उनके पिता बाल ठाकरे व चाचा श्रीकांत, जो राज ठाकरे के पिता थे, वे भी इस आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। इन सभी ने यह सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया कि मुंबई राज्य का हिस्सा बना रहे। राज ठाकरे ने हालांकि बीएमसी चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। राज ने कहा, मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा। उद्धव ने कहा कि दोनों पार्टियों ने नासिक नगर निगम के लिए सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है जहां 15 जनवरी को चुनाव होने हैं, साथ ही मुंबई और राज्य के 27 अन्य नगर निगमों में भी चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि अन्य नगर निकायों में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है। उद्धव ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जो हो रहा है उसे सहन न कर पाने वाले हमारे साथ आ सकते हैं। इस संवाददाता सम्मेलन को लेकर अत्यधिक चर्चा थी, जो मुश्किल से 16 मिनट चला और 227 वार्ड वाले बीएमसी में सीट बंटवारे की व्यवस्था पर बिना किसी स्पष्ट घोषणा के समाप्त हो गया। राज ने अहम बीएमसी चुनाव के लिए दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे का विवरण साझा नहीं किया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि कुछ वार्ड में जहां दोनों पार्टियों का प्रभाव है, वहां अब भी बातचीत जारी है।

ठाकरे बंधुओं के बीच गठबंधन से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस बुधवार को उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के दलों के बीच हुए गठबंधन को ज्यादा तवज्जो न देते हुए कहा कि वे खुद का राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए साथ आए हैं और इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने आठ महीने से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए 15 जनवरी को होने वाले बृह्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए बुधवार को औपचारिक रूप से दोनों दलों के बीच गठबंधन की घोषणा की। घोषणा होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, उनका ट्रैक रिकॉर्ड केवल भ्रष्टाचार और स्वार्थ का रहा है। उनका गठबंधन सिर्फ केवल अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए और इससे कोई महत्वपूर्ण राजनीतिक फर्क नहीं पड़ेगा। यदि कोई इसके विपरीत सोचता है, तो यह बचकानी सोच है।

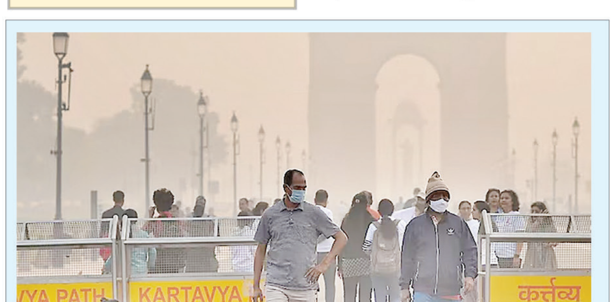

दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर से बहुत खराब श्रेणी में दर्ज

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने कहा कि बुधवार सुबह दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर से बहुत खराब श्रेणी में आ गया है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, सुबह एक्यूआई 336 दर्ज किया गया जबकि मंगलवार को यह 415 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार, दिल्ली के 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्र में से 36 में एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। नेहरू नगर में सबसे ज्यादा 392 एक्यूआई दर्ज किया गया। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 से 100 को संतोषजनक , 101 से 200 को मध्यम , 201 से 300 को खराब , 301 से 400 को बेहद खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। सुबह-सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में कोहरे और धुंध की वजह से दृश्यता कम हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री ज़्यादा है। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहा। आईएमडी ने दिन में हल्का कोहरा रहने का अनुमान जताया है।

दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, 1.5 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली,(भाषा)।दिल्ली पुलिस ने बाहरी उत्तरी दिल्ली में मादक पदार्थों के दो कथित तस्करों को गिरफ्तार कर 304 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।आरोपियों की पहचान दिल्ली के न्यू सीमापुरी के रहने वाले तसलीम (23) और सलमान अंसारी (29) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि 21 दिसंबर को मिली एक सूचना के आधार पर कार्वाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया।पुलिस की एक टीम ने नरेला इलाके में मोटरसाइकिल पर जा रहे दोनों आरोपियों को रोका और तलाशी के दौरान मादक पदार्थ बरामद किया।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, तसलीम पेशे से ड्राइवर है और नशे का आदी है, जबकि दर्जी का काम करने वाला सलमान अंसारी एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में पहले भी संलिप्त रह चुका है।

मोदी सरकार ने छोटे व्यापारियों को खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया हैः राहुल गांधी

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर व्यापारिक जगत में एकाधिकार को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि इस समय सरकार ने छोटे व्यापारियों को अपनी खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश का वैश्य समाज हताश है और वह इस समुदाय के साथ खड़े हैं जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने वैश्य समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात का एक वीडियो बुधवार को अपने सोशल मीडिया मंच पर साझा किया।राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिस समाज ने देश की अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक योगदान दिया, आज वही हताश है। यह खतरे की घंटी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने एकाधिकार को खुली छूट दे दी है, और छोटे-मध्यम व्यापारियों को नौकरशाही और गलत जीएसटी जैसी खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया है।

ठाकरे बंधु मुंबई का विकास नहीं, सत्ता चाहते हैं : एकनाथ शिंदे

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को आरोप लगाया कि ठाकरे बंधु केवल सत्ता के लिए एक साथ आए हैं और मुंबई के विकास के लिए उनके पास कोई योजना नहीं है। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को होने वाले बृह्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले बुधवार को गठबंधन की घोषणा की। प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि चचेरे भाइयों की प्रेसवार्ता में विकास का कोई जिक्र नहीं हुआ। उन्होंने कहा, (शिवसेना के संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से भटकने वालों को पिछले साल के विधानसभा चुनाव और हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में सबक सिखाया गया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ बगावत करके जून 2022 में पार्टी को विभाजित करने वाले शिंदे ने कहा, उनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है, उनका लक्ष्य सिर्फ सत्ता हासिल करना है। इन लोगों ने मराठी भाषी लोगों को मुंबई से बाहर निकाल दिया।

जम्मू कश्मीर के पांच जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी

श्रीनगर,(भाषा)। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर बुधवार को इस केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है।

देशभर में ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा हैः कांग्रेस नेता सतीशन

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) वी डी सतीशन ने बुधवार को आरोप लगाया कि देशभर में ईसाइयों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और संघ परिवार कई राज्यों में क्रिसमस समारोहों में नियमित रूप से बाधा डाल रहा है।सतीशन ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर फेसबुक पर एक पोस्ट में दक्षिणपंथी समूह पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, कई राज्यों में संघ परिवार द्वारा क्रिसमस समारोहों में बाधा डालना एक आम बात हो गई है। पूरे देश में ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केरल में भी हाल में पलक्कड़ जिले में एक कैरोल समूह को रोका गया था। भाजपा के अल्पसंख्यक संपर्क कार्यक्रम पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि क्रिसमस समारोह के दौरान दोस्ताना व्यवहार दिखाने वाले लोग वास्तव में भेड़ की खाल में भेडिय़ा हो सकते हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि वे उन ताकतों का हिस्सा हैं जो देशभर में ईसाइयों के खिलाफ हमलों में शामिल हैं। उन्होंने बाइबिल के वितरण के खिलाफ संघ परिवार के कथित विरोधी रुख पर भी सवाल उठाया। सतीशन ने इस तरह के रुख को असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी बताया और कहा कि इसका पूरे देश में विरोध किया जाएगा। विपक्ष के नेता की ए टिप्पणियां उत्तर भारतीय राज्यों में ईसाई समूहों पर हुए कथित हमलों और पलक्कड़ जिले के पुडुस्सेरी में एक व्यक्ति द्वारा क्रिसमस कैरोल समूह पर किए गए हमलों की खबरों के मद्देनजर आई हैं। कथित तौर पर हमला करने वाले व्यक्ति को आरएसएस का पदाधिकारी बताया जा रहा है। कैथोलिक बिशप पीटर कोचुपुरक्कल ने मंगलवार को इस घटना की कड़ी निंदा की और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सख्त कार्वाई की मांग की।पलक्कड़ जिले में भाजपा के वरिष्ठ नेता सी कृष्णकुमार ने हालांकि मंगलवार को आरोप लगाया था कि जिस कैरोल समूह पर हमला हुआ था, उसमें सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सदस्य शामिल थे।

» बाइबिल के वितरण के खिलाफ संघ परिवार के कथित विरोधी रुख पर भी सवाल उठाया

अरावली के विषय पर जनता को गुमराह कर रहे हैं पर्यावरण मंत्रीः कांग्रेस

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर बुधवार को मोदी सरकार फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह इस पर्वतमाला की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव इस विषय पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, अब यह बिल्कुल साफ़ हो गया है कि अरावली मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पूरी तरह से सच नहीं बता रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अरावली की परिभाषा में जो बदलाव मोदी सरकार कर रही है, उसका भारतीय वन सर्वेक्षण, उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय विशेषाधिकार समिति और उच्चतम न्यायालय के न्याय मित्र ने स्पष्ट और ज़ोरदार विरोध किया है। उन्होंने सवाल किया कि फिर भी मोदी सरकार अरावली की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है? भूपेन्द्र यादव ने सोमवार को कांग्रेस पर अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर गलत सूचना और झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि पर्वत श्रृंखला के केवल 0.19 प्रतिशत हिस्से में ही कानूनी रूप से खनन किया जा सकता है। यादव ने यहां प्रेसवार्ता में यह भी कहा था कि नरेन्द्र मोदी सरकार अरावली की सुरक्षा और पुनर्स्थापन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में दो उग्रवादी सहित छह गिरफ्तार

इंफाल, (भाषा)। मणिपुर के विभिन्न जिलों से दो उग्रवादियों और दो कथित हथियार डीलर सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार प्रतिबंधित संगठन प्रेपाक (जी-5) के एक सक्रिय सदस्य को मंगलवार को इंफाल पूर्व जिले के केइबी हेइकाक मापन से गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 45 वर्षीय सदस्य को काकचिंग जिले के काकचिंग खुनौ स्थित उसके आवासीय इलाके से गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया है कि मंगलवार को इंफाल पूर्व के पोरोमपट पुलिस थाना क्षेत्र में दो अन्य व्यक्तियों को हथियार और गोला-बारूद बरामद होने के बाद हिरासत में लिया गया। इंफाल पूर्व जिले के केइबी अवांग लेइकाई याइबिरेल से दो कथित हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दो साल पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से मणिपुर में तलाश अभियान जारी है। मेइती और कुकी-ज़ो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मई 2023 से 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है।

ठाणे के एक व्यवसाई से 20,000 डॉलर की धोखाधड़ी के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

ठाणे, (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक ही परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा विनिमय सेवाओं में सहायता के बहाने एक व्यवसाई से 20,000 डॉलर (17 लाख रुपए से अधिक) की धोखाधड़ी करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। महात्मा फुले चौक पुलिस थाने में अपनी शिकायत में राजेश अमृतलाल भाटिया ने कहा कि उनके एक पुराने दोस्त ने उनसे दुबई में अपनी बेटी की आर्किटेक्ट की पढ़ाई के लिए ट्रैवलर चेक की व्यवस्था करने को कहा था। प्राथमिकी का हवाला देते हुए अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि भाटिया छह नवंबर को कल्याण क्षेत्र में एक बैग में 20,000 डॉलर ले जा रहा था, जब दो भाइयों ने, जिनमें से एक उसके दोस्त के कार्यालय में काम करता था, उसे बहलाया-फुसलाया। दोनों भाटिया को यह कहकर अपने घर ले गए कि उनके परिवार के एक सदस्य को विदेशी यात्रा दस्तावेजों की जानकारी है। उन्होंने भाटिया को पैसे सौंपने के लिए राजी किया और शाम को आकर ट्रैवलर चेक लेने के लिए कहा। अधिकारी ने बताया, जब भाटिया चेक लेने वापस गए तो संदिग्धों ने टालमटोल भरे जवाब दिए और अंततः नकदी लेकर फरार हो गए। निरीक्षक बलिरामसिंह शंकरसिंह परदेशी ने कहा, प्रारंभिक जांच के बाद हमने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886